Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 119 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज



छठ पर्व, एकादशी, एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं



गोपाल सिंह विद्रोही
वरिष्ठ पत्रकार एवं ब्यूरो चिफ
विश्व परिवार - जिला सूरजपुर

प्रदेशवासियों को
छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं





पूज्यपाद
स्व. चरण सिंह अग्रवाल



अजय अग्रवाल अज्जू
डायरेक्टर
मोक्ष टेक इंडिया

सौजन्य - एग्रिको स्टील इंजीनियरिंग वर्कस
बिश्रामपुर, जिला सुरजपुर, छ.ग.

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व
आत्मीय स्वजन, की हार्दिक शुभकामनाएं...
46 वर्षों की गौरवशाली व्यवसायिक यात्रा में परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद,
आपके स्नेह एवं आत्मीयता ने हमें निरंतर आगे बढ़ने का संबल प्रदान किया है
विश्वास और संबंधों की इस परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने
के लिए हम कृत संकल्पित हैं।

हमारे प्रतिष्ठान
जलतरंग स्वीट्स
मेन रोड बिश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)



संस्थापक
इन्द्रजीत सिंह माखिजा



मिठाईयां
बेकरी
ड्रायफ्रुट
नमकीन

विनीत :
इन्दरजीत सिंह मखीजा
गुरविन्दर सिंह मखीजा
प्रितपाल सिंह मखीजा

सह-संस्थान
साहिब ट्रेडर्स
Mob. 8871310000, 7000304812

आप सभी को
धनतेरस, दीपावली
गोवर्धन पूजा एवं भैयादूज
की हार्दिक शुभकामनाएं





प्रकाश शर्मा एवं
समस्त शर्मा परिवार

मेसर्स -भगवती इंजीनियरिंग, मेनरोड सतपता
बिश्रामपुर, सूरजपुर, छत्तीसगढ़
MB 9926 158819,, 99938 54333

आप सभी को छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं...
V. M. COLLEGE OF NURSING / PHARMACY, BISHRAMPUR





VIJAYRAJ AGRAWAL
CHAIRMAN CUM DIRECTOR



VIVEK AGRAWALMANAGING
DIRECTOR

INFRONT OF JAINAGAR POLICE STATION , BISHRAMPUR DISTRICT- SURAJPUR (C.G)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

सेवा सेतु से ग्रामीणों को मिल रही डिजिटल सेवाओं की सुविधा'

बीजापुर। जिला प्रशासन बीजापुर की डिजिटल जनसेवा पहल के अंतर्गत सेवा सेतु के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों तक आवश्यक शासकीय सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ऑनलाइन व्यवस्था से प्रमाण-पत्र संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाने में मदद मिल रही है।यह सेवा 'त्रिवेणी सेवा सेतु केंद्र, भोपालपटनम' के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। डिजिटल प्रक्रिया से ग्रामीण नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के लिए मार्गदर्शन एवं सुविधा मिल रही है, जिससे शासकीय सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान बन रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना का किया निरीक्षण

■ बिना बिजली और डीजल के खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई का पानी



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोंगरो में घुघरी नदी पर निर्मित एनीकट हाइड्रो पावर आधारित पम्पिंग योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने योजना की कार्यप्रणाली, सिंचाई क्षमता और किसानों को मिलने वाले लाभों की जानकारी ली। सरगुजा संभाग की अपनी तरह की इस पहली नवाचारी सिंचाई परियोजना की विशेषता यह है कि इसमें बिजली, डीजल, पेट्रोल अथवा सौर ऊर्जा का उपयोग किए बिना केवल नदी के जल प्रवाह से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पोंगरो की यह परियोजना इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि आधुनिक विज्ञान और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से किसानों की समस्याओं का स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली और डीजल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। यह अभिनव पहल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए एक प्रेरक मॉडल बन सकती है।

नदी का जल प्रवाह ही बनेगा सिंचाई की ऊर्जा

पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना में नदी के बहते पानी की ऊर्जा से टरबाइन पम्प संचालित किया जाता है। इसके लिए पूर्व निर्मित एनीकट से लगभग 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में प्लेटफॉर्म तैयार कर टरबाइन पम्प स्थापित किया गया है। यह पम्प नदी तल से लगभग 12 मीटर ऊंचाई पर स्थित तथा 200 मीटर दूर निर्मित वितरण टंकी तक अधिकतम 17 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी पहुंचाने में सक्षम है। वितरण टंकी से पक्की सिंचाई नहरों एवं नालियों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पम्प संचालन के लिए किसी बाहरी ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं है। इससे सिंचाई व्यवस्था के संचालन में पारंपरिक ईंधन की खपत और उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। यह परियोजना हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

लगभग 2 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से पूर्ण की गई इस परियोजना से क्षेत्र के करीब 135 कृषक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के कृषक कल्याण समूह, घवई पानी को प्लांट जीनोम सेवियर अवार्ड

■ जैव विविधता संरक्षण के लिए समूह को दस लाख रुपये की राशि भी प्रदान की गई



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कृषक कल्याण समूह, घवई पानी, विकासखंड बोड़ला, जिला कवर्धा (कबीरधाम) को मिलेट और धान की परम्परागत किस्मों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भारत सरकार के पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार प्राधिकरण द्वारा प्रतिष्ठित प्लांट जीनोम सेवियर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली मे आज प्राधिकरण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने समूह को यह सम्मान प्रदान किया। इसके साथ ही समूह को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल तथा नोडल अधिकारी डॉ. दीपक शर्मा भी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के कृषक कल्याण समूह, घवई पानी मिलेट (मोटे अनाज) और धान की 76 किस्मों का पंजीयन प्राधिकरण में कराया है। इस समूह ने अब तक कुल 350 से अधिक देशी किस्मों का पंजीयन कराया है। देशी जैव विविधता को बचाने और किसानों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह घवई पानी के किसानों की मेहनत का सम्मान है। इसके साथ ही इससे छत्तीसगढ़ की कृषि विरासत और देशी बीजों को बचाने के लिए प्रदेश के किसानों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

इस समूह के समन्वयक डॉ. दीपक शर्मा हैं। डॉ. शर्मा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में प्राध्यापक हैं और पौधा किस्म संरक्षण और कृषक अधिकार प्राधिकरण के नोडल अधिकारी भी हैं।

किसानों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : पुरन्दर मिश्रा

■ 15 नवंबर से शुरू होगा धान खरीदी महाअभियान



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के सम्मान, समृद्धि और खुशहाली के लिए निरंतर संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में 15 नवंबर 2026 से प्रदेशभर में धान खरीदी महाअभियान का शुभारंभ होने जा रहा है।

उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अन्नदाताओं के परिश्रम और उनके योगदान का सम्मान करते हुए किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का निर्णय लिया है। यह निर्णय किसानों की आर्थिक मजबूती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने वाला है।

उन्होंने कहा कि एग्रीस्टैक आईडी युक्त विगत वर्ष पंजीकृत सभी किसानों को धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही प्रदेश में 360 नए धान उपार्जन केंद्रों की शुरुआत से किसानों को अपनी उपज बेचने में और अधिक सुविधा मिलेगी तथा उन्हें अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी। श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी की सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार की किसान हितैषी नीतियां प्रदेश के अन्नदाताओं के जीवन में खुशहाली लाने के साथ ही छत्तीसगढ़ को कृषि समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि अन्नदाता का सम्मान, किसान की समृद्धि और गांवों का विकास ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। सुशासन सरकार किसानों के विश्वास पर खरा उतरते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

छत्तीसगढ़ ने भारत के मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने हेतु रूपरेखा तैयार की

■ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'छत्तीसगढ़ एफटीए एक्सेलेरेटर' की घोषणा की



रायपुर (विश्व परिवार)। वाणिज्य विभाग, भारत सरकार ने वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से आज रायपुर में एक राज्य-स्तरीय कार्यशाला एफ्टीए का लाभ उठाना - आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्य के उद्योगों और निर्यातकों के बीच भारत द्वारा हाल ही में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से सृजित हुए अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इन समझौतों के व्यापक उपयोग के लिए क्षेत्र-वार रणनीतियां तैयार करना था।

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन; छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल; वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार; तथा उद्योग संचालनालय के संचालक श्री प्रभात मलिक (भा.प्र.से.) उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री लखन लाल देवांगन ने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छत्तीसगढ़ केवल कच्चे माल का उत्पादक बनकर न रहे, अपितु तैयार उत्पादों के विनिर्माण और निर्यात के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे। छत्तीसगढ़ सरकार प्रत्येक उद्योगपति, निर्यातक और उद्यमी के साथ प्रतिबद्धता से खड़ी है। आइए, हम सब मिलकर भारत के मुक्त व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ उठाएं और 'मेड इन छत्तीसगढ़' को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाएं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री जी ने कहा कि विगत वर्ष छत्तीसगढ़ का निर्यात लगभग 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें चावल, इस्पात, फेरो-एलॉय और एल्युमीनियम की प्रमुख हिस्सेदारी रही। इसके अतिरिक्त शहद, लाख, महुआ और इमली जैसे वनोपज तथा ढोकरा और कोसा जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, ओमान, यूनाइटेड किंगडम (यूके) और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समझौता वर्ष 2027 में प्रभावी होने की संभावना है।

वाणिज्य विभाग के अनुसार, राज्य के 95 निर्यात उत्पादों में से 93 उत्पादों को अब कम से कम एक भागीदार बाजार में शुल्क रियायत प्राप्त है।

किसानों को प्रति एकड़ मिलेगी 13,839 रुपए की आदान सहायता

■ कृषक उन्नति योजनाश् के नवीन दिशा-निर्देश जारी

जगदलपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के द्वारा खरीफ वर्ष 2026 से ष्कृषक उन्नति योजनाष् के क्रियान्वयन हेतु जारी नवीन दिशा-निर्देशों के तहत अन्नदाताओं को बड़ी सौगात दी गई है। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों को प्रेषित इन दिशा-निर्देशों के अनुसार विपणन वर्ष 2026-27 में मार्कफेड (प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं लैम्पस) द्वारा उपार्जित धान तथा बीज निगम द्वारा उपार्जित धान बीज के बोए गए सत्यापित रकबे पर किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपए की एकसमान आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण और किसान हितैषी पहलू यह है कि यदि कोई किसान प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम उपार्जन सीमा यानी 21 क्विंटल से कम मात्रा में भी धान या धान बीज बेचता है, तब भी उसे बोए गए पूरे सत्यापित रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपए की दर से ही पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। उदाहरण के लिए यदि किसी किसान ने 2 एकड़ में धान बोया है और वह अधिकतम सीमा के बजाय कम उपज भी समितियों में बेचता है, तो भी उसे पूरे 2 एकड़ रकबे के मान से ही पूरी आदान सहायता राशि का भुगतान किया जाएगा। योजना का लाभ सुगमता से प्राप्त करने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक में पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से बोए गए रकबे की पुष्टि अनिवार्य की गई है। जिन दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का डेटा उपलब्ध नहीं हो पाएगा, वहां किसानों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए जिला कलेक्टर की अनुमति से गिरदावरी के आधार पर सत्यापित रकबे पर आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही ऐसे किसान जिन्होंने पिछले खरीफ वर्ष 2025-26 में धान विक्रय नहीं किया था और इस वर्ष बेचने के लिए लाएंगे, उनके रकबे का विशेष सत्यापन भी जिला कलेक्टर द्वारा कराया जाएगा।

राज्य शासन द्वारा पारदर्शी भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि किसानों को धान खरीदी पोर्टल पर टोकन जारी करवाते समय ही निर्धारित प्रारूप में इस योजना के लिए आवेदन करना होगा।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती : धरमजयगढ़ में होगा राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

■ जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण और रोजगार से जुड़ी योजनाओं की लगेगी विशेष प्रदर्शनी



रायपुर (विश्व परिवार)। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, लोकज्ञान तथा राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आम नागरिकों को दी जाएगी।

राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का जायजा लेने आज राज्य प्रभारी स्मृति ईरानी धरमजयगढ़ के दशहरा मैदान पहुंचीं। उन्होंने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा



रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है।

यह सुविधा गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में दिनांक 12 नवम्बर 2026 से 18 नवम्बर 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में दिनांक 14 नवम्बर 2026 से 20 नवम्बर 2026 तक उपलब्ध रहेगी 7 इस सुविधा की उपलब्धता से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे।

बस्तर से सरगुजा तक जल-जंगल-जमीन की लूट मचाने वाले जनजाति गौरव का पाखंड कर रहे हैं : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। स्मृति ईरानी के रायगढ़ दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जनता भाजपा का सबसे बड़ा और खतरनाक चेहरा देख रही है, जो भाजपाई छत्तीसगढ़ के अंदर बस्तर से लेकर सरगुजा तक आदिवासियों पर जुल्म ढा रहे हैं, उनके जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के पैरों में रौंद रहे हैं, वही लोग रायगढ़ के धरमजयगढ़ में जाकर जनजाति गौरव दिवस का ढोंग रच रहे हैं। यह आदिवासियों के प्रति प्रेम नहीं, बल्कि उनके शोषण पर पर्दा डालने का राजनीतिक पाखंड है। इसी रायगढ़ जिले के तमनार में आदिवासी हितों को जबरिया कुचला गया, अपने संसाधनों को बचाने प्रदर्शन करने वाले ग्रामीणों को बर्बरता पूर्वक पीटा गया, बिना ग्रामसभा की सहमति के तारा कोल ब्लॉक और पवित्र नंदराज पर्वत अडानी को सौंपना, वनाधिकार पट्टों को रोकना और हजारों आदिवासियों के लोकतांत्रिक विरोध को कुचलना इस सरकार की तानाशाही फितरत को बेनकाब करता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, महानायक गुण्डाधुर, अमर शहीद गैंदसिंह, माता राजमोहिनी देवी, कंगला मांझी के वंशजों को लगातार प्रताड़ित कर रही है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./36863/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 12-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36863
वार्ड का नाम-47- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR443G00302 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SMT. VIDYAWATI GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O LATE RAMDAS GUPTA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SHRI SURESH GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O LATE. RAMDAS GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ मृत्यु के उपरांत व शपथ पत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री खीर सागर नायक
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी वीर सावरकर नगर रायपुर में निर्मित LIG-II योजना में से भवन भूखण्ड क्रमांक LIG-II/911- **श्री मनोज मसंद पिता स्व. साजन दास मसंद** को स्वत्तिय /भाड़ाक्रय/एकमुश्त/ ऑफर आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 13/01/2015** को लीजडीड/सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्रीमती दीपा धामेचा पति श्री महेश धामेचा** के पक्ष में **दिनांक 09/02/2018** को विक्रय कर दिया।

तद्रुपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड क्रेता श्री **श्रीमती दीपा धामेचा पति श्री महेश धामेचा** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी कोटा रायपुर में निर्मित बी-टाईप योजना में से भवन **क्र. बी-38, श्री पप्पल वेंकट रमन मूर्ति** को भाड़ाक्रय आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा **दिनांक 20.02.2008** को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन **श्री अभय मातुरकर पिता स्व. श्री अरूण मातुरकर** के पक्ष में **दिनांक 01.07.2019** को विक्रय कर दिया।

तद्रुपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता श्री **अभय मातुरकर पिता स्व. श्री अरूण मातुरकर** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय / वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

श्री प्रीतम जैन का देवलोकगमन



रायपुर (विश्व परिवार)। अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर, मालवीय रोड, रायपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी श्री प्रीतम जैन जी (उम्र 79 वर्ष) का 12 नवंबर गुरुवार को देवलोकगमन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशान घाट में किया गया।

शोकाकुल परिवार: श्रीमती सरिता जैन (धर्मपत्नी), श्री महेंद्र कुमार जैन बब्बू भैया (भाई), ब्रह्मचारिणी सुषमा दीदी एवं संध्या दीदी (बहनें), श्री श्रद्धेय जैन विक्की (पुत्र), श्रीमती दीप्ति जैन (पुत्रवधु), सुश्री खुशबू जैन, सुश्री डाली जैन (पुत्रियाँ), सुश्री मिरल जैन (पौत्री), श्री निलेश जैन, प्रशांत जैन (भतीजे), दीपक भैया, प्रदीप भैया - भाटापारा (भांजे), एवं समस्त जैन परिवार, बैजनाथपारा, रायपुर है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें।

दैनिक विश्व परिवार रायपुर अपनी हार्दिक विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 119 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ का परचम

■ बिल्हा ने हासिल किया देश में पहला स्थान, रायपुर, बिलासपुर भी पुरस्कृत



रायपुर (विश्व परिवार)। स्वच्छता और बेहतर नगरीय प्रबंधन की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों नगर पालिक निगम रायपुर, नगर पालिक निगम बिलासपुर और नगर पंचायत बिल्हा को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से बिलासपुर जिले की नगर पंचायत बिल्हा ने देश में 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। वहीं, 'स्वच्छ रिवर फ्रंट टाउन' श्रेणी में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। रायपुर नगर पालिक निगम को स्वच्छता में राज्य में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव, विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा तथा संबंधित नगरीय निकाय के महापौरों एवं आयुक्तों ने राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि से राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के स्वच्छता संबंधी प्रयासों को नई पहचान मिली है।

कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों, संबंधित नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्वच्छता कर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री साय ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को मिले राष्ट्रीय सम्मान हमारे शहरों की बदलती तस्वीर और स्वच्छता के प्रति प्रदेशवासियों की सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। बिल्हा जैसे छोटे नगर का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना, बिलासपुर का स्वच्छ नदी तटवर्तीय श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल करना और रायपुर का राज्य में अग्रणी स्थान पर रहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल स्वच्छता की रैंकिंग में आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी स्थायी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें स्वच्छता हर नागरिक की आदत और हर शहर की पहचान बने। जनभागीदारी, आधुनिक नगरीय सुविधाओं और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से हम स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

जनजातीय समाज भारत की आत्मा है: मुख्यमंत्री



■ मुख्यमंत्री साय ने महती पत्रकार वार्ता में विश्वास व्यक्त किया : जनजातीय समाज 2047 के विकसित भारत का बनेगा मजबूत आधार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि भाजपा के लिए जनजातीय समाज वोट बैंक नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र से यह समाज विकसित भारत का मजबूत आधार बन रहा है। श्री साय ने भगवान बिरसा मुण्डा को नमन करते हुए कहा है कि 15 नवम्बर 1875 को वर्तमान झारखण्ड प्रदेश के खूंटी जिले के उलिहातू में जन्मे युवा बिरसा ने अंग्रेजी शासन द्वारा जनजातीय समाज की जमीन, जंगल और स्वाभिमान छीने जाने के विरुद्ध समाज को नशे व कुरीतियों से दूर रहकर अपनी संस्कृति पर गर्व करने और विदेशी सत्ता से लड़ने के लिए जागृत किया। उन्होंने 'उलगुलान' (महाक्रांति) का नेतृत्व करते हुए 'अबुआ दिशुम, अबुआ राज' (हमारा देश, हमारा राज) का अमर नारा दिया। 9 जून 1900 को मात्र 25 वर्ष की आयु में रांची जेल में उन्हें जहर देकर मार दिया गया, किंतु उनके संघर्ष की बदौलत 1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम बना, जिसने जनजातीय जमीन की रक्षा की। इसी कारण समाज उन्हें भगवान के रूप में पूजता है।

मुख्यमंत्री श्री साय गुरुवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 11 से 18 नवम्बर 2026 तक मनाए जा रहे 'जनजातीय गौरव सप्ताह' के अंतर्गत आहूत महती पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। श्री साय ने भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन संघर्ष, स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय नायकों के बलिदान, मोदी सरकार की ऐतिहासिक योजनाओं, विपक्ष के 12 प्रमुख षड्यंत्रों और 'विकसित भारत 2047' के विज़न को विस्तार से मीडिया के समक्ष रखा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आजादी की लड़ाई 1857 से लगभग 100 वर्ष पूर्व ही जनजातीय वीरों ने प्रारम्भ कर दी थी। देश के प्रमुख जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करते हुए श्री साय ने कहा कि सन् 1784 में तिलका मांझी और 1855 में सिद्धो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो, छत्तीसगढ़ में शहीद वीर नारायण सिंह, झारखण्ड में तेलंगा खड़िया व बुधु भगत, निमाड़-मालवा में टंट्या भील, गोंडवाना में रानी दुर्गावती, रम्पा में अल्लूरी सीताराम राजू, तेलंगाना में कोमराम भीम और पूर्वोत्तर में रानी गाइदिन्ल्यू जनजातीय समाज के महानायक हैं।

सौरभ चंद्राकर को आज स्पेशल कोर्ट में किया जाएगा पेश

■ पीएमएलए कोर्ट ने ईडी का आवेदन किया स्वीकार, कस्टोडियल रिमांड पर लेकर होगी पूछताछ



रायपुर (विश्व परिवार)। जेल में बंद महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को शुक्रवार को प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर जेल से ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी कोर्ट से आवेदन खारिज होने के बाद ईडी ने पीएमएलए स्पेशल कोर्ट में आवेदन लगाया था। कोर्ट ने ईडी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है। कल पुलिस की टीम सौरभ को रायपुर जेल से ईडी कोर्ट लेकर पहुंचेगी। यहां पेशी के बाद श्वष्ठ उसे कस्टोडियल रिमांड पर लेने की मांग करेगी, ताकि उससे पूछताछ की जा सके। बता दें कि 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद सौरभ को आज फिर रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था। सीबीआई ने दोबारा कस्टडी नहीं मांगी और उसे न्यायिक रिमांड पर भेजने की मांग की। जहां से उसे 19 नवंबर तक ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सीबीआई अधिकारी और पुलिस हाई सिक्योरिटी के बीच सौरभ को लेकर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद उसे जेल भेज दिया गया। इस दौरान वह झोला उठाकर जेल के अंदर जाता दिखा।

पीएम मोदी 16-18 नवंबर को जाएंगे फिलपींस

■ मनीला में आसियान-भारत और ईस्ट एशिया समिट में लेंगे हिस्सा



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 18 नवंबर को फिलीपींस के मनीला दौरे पर जाएंगे। वह 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें ईस्ट एशिया समिट में हिस्सा भी लेंगे। बैठकों में समुद्री सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और हिंद-प्रशांत के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। फ्लिपींस वर्ष 2026 में आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन) की अध्यक्षता कर रहा है। इसी के तहत 18 नवंबर को दोनों महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भारत और आसियान देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा होगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत और आसियान वर्ष 2026 को समुद्री सहयोग के वर्ष के रूप में मना रहे हैं। वर्ष 2027 में दोनों के बीच संवाद संबंधों के 35 साल और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के पांच साल पूरे होंगे। भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति उसकी रणनीतिक दृष्टि में आसियान के साथ संबंधों को महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। मनीला में होने वाले शिखर सम्मेलनों में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ता तनाव और म्यांमार का राजनीतिक संकट प्रमुख विषयों में शामिल रह सकते हैं। इसके अलावा, आसियान और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर के लिए आचार संहिता पर चल रही बातचीत भी महत्वपूर्ण रहेगी। आर्थिक मोर्चे पर व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा सकता है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आचार्य श्री के दर्शन किये



भोपाल (विश्व परिवार)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं राजस्थान सरकार के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने आचार्य श्री समय सागर महाराज को श्री फल भेट कर आशीर्वाद लिया, विधोदय तीर्थ में पहले जिनालय के दर्शन किए, आचार्य श्री को श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद लिया, चातुर्मास समिति के प्रवक्ता सुनील जैनाविन ने बताया इस दौरान उन्होंने कहा गाये को राष्ट्रीय पशु घोषित करवाने के लिए पूरा प्रयास करेंगे, लोकसभा अध्यक्ष ने आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के प्रकल्पों गो सेवा जीव दया हथकरघा प्रतिभा स्थली को भारत की संस्कृति और संस्कारों की सबसे बड़ी संपदा बताया, आचार्य श्री ने कहा राष्ट्र हित सर्वोपरि हे, सभी को राष्ट्र के कार्य कर सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए भारत पुन: सोने की चिड़िया बन विश्व में देश प्रतिनिधित्व करे, इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री भा जा पा राहुल कोठारी पंचायत कमेटी अध्यक्ष पंकज सुपारी निर्वाण संयोजक राकेश ओ एस डी चातुर्मास संयोजक देवेंद्र रुचि हुकुमचंद जैन दयोदय महासंघ मंत्री राकेश जैन अशोक सिंघई विनोद चौधरी अनुपम राजकुमार कौशल राजू सेठ पंकज चाय पंकज सीहोर राजीव गेहूं रौनक भइया आदि मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से



रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान सदन की कुल चार बैठकें आयोजित की जाएंगी। सत्र के दौरान वित्तीय कार्यों के साथ अन्य शासकीय कार्यों का संपादन किया जाएगा। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने इस संबंध में आधिकारिक सूचना जारी कर दी है। शीतकालीन सत्र में सरकार के विभिन्न विभागों से जुड़े विषयों और शासकीय कार्यों पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रवेश वर्मा ने अरविंद केजरीवाल पर लगाया ओछी राजनीति का आरोप

■ यमुना में मरी मछलियां डालने के मामले में एफआईआर के निर्देश



नई दिल्ली। छठ पूजा की तैयारियों के बीच यमुना में मरी हुई मछलियां डालने का मामला सामने आया है। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर नदी में मरी मछलियां डालकर छठ पर्व से पहले माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि इस साल दिल्ली में छठ पूजा के लिए 1,465 स्थानों पर इंतजाम किए गए हैं और यमुना किनारे 24 मॉडल घाट तैयार किए गए हैं।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि यमुना में फेरी सेवा शुरू होने के बाद विभागीय अधिकारियों ने उन्हें नदी में मरी हुई मछलियां डाले जाने की जानकारी दी। छठ का त्योहार नजदीक है और कुछ लोग जानबूझकर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी इस तरह की ओछी राजनीति कर रही है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने विभाग को एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच कर मरी हुई मछलियां नदी में डालने वाले लोगों की पहचान की जाएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपियों का आम आदमी पार्टी से कोई संबंध है या नहीं।

यूपी में चंद्रशेखर-ओवैसी की पार्टियों में गठबंधन

■ सभी 403 सीटों पर लड़ेंगे, चंद्रशेखर सीएम फेस, प्रदेश में 40 प्रतिशत दलित-मुस्लिम वोट



लखनऊ (विश्व परिवार)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान किया है। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान किया है। इसका नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। गठबंधन यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेसवार्ता में ओवैसी ने कहा कि चंद्रशेखर यूपी में सीएम का चेहरा होंगे। भाजपा को रोकने के लिए हमारा मोर्चा मजबूत विकल्प बनेगा। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। बड़े गठबंधन में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन हमें कमजोर समझा गया। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत करते हैं। समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। यूपी में मुस्लिम आबादी 19 प्रतिशत और दलित आबादी 21 प्रतिशत है। गठबंधन की नजर इसी 40त्न आबादी के वोटों पर है। इस गठबंधन का सीधा असर सपा और बसपा के वोट बैंक पर पड़ सकता है।

दुश्मन के अचानक हमले से निपटने की तैयारी जरूरी: राजनाथ



नई दिल्ली। दुश्मन को आश्चर्यचकित कर देने वाली कार्रवाई, किसी अप्रत्याशित कदम से निपटने की तैयारी भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहद जरूरी हैं। आधुनिक युद्ध में इसी रणनीति को अहम बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना को अपनी आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को लगातार मजबूत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्ध केवल लड़ाकू विमानों की संख्या से नहीं, बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता, तेजी से जवाब देने की क्षमता और सटीक तैयारी से जीते जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 नवंबर को नई दिल्ली में वायुसेना कमांडर्स कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि बदलती युद्ध परिस्थितियों में अचानक हमले की क्षमता और दुश्मन के किसी अप्रत्याशित कदम से निपटने की तैयारी, दोनों बेहद जरूरी हैं। इस दौरान उन्होंने वायुसेना की डिजिटल और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए उसके द्वारा विकसित एआई आधारित कई नए अनुप्रयोगों की भी शुरुआत की। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब लड़ाई केवल पारंपरिक युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि मिसाइलों, ड्रोन और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों के जरिए युद्ध के नए तरीके सामने आ रहे हैं। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास संघर्षों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन युद्धों में ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियां बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। ऐसे में भारतीय वायुसेना को आत्मघाती ड्रोन, निगरानी और ड्रोन रोधी अभियानों जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि वायुसेना को इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए क्षेत्रों के लिए भी विशेष रणनीति और मजबूत व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। इन क्षेत्रों में तैयारी भविष्य की चुनौतियों से निपटने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। उन्होंने कमांडरों से इन नई तकनीकों को वायुसेना की योजना, प्रशिक्षण और सैन्य अभियानों का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि खुफिया जानकारी जुटाने और निगरानी करने की क्षमताओं को और मजबूत करना होगा, ताकि दुश्मन की किसी भी गतिविधि और संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सके। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद भारतीय वायुसेना के प्रदर्शन की सराहना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वायुसेना ने इस अभियान में अपने सिद्धांतों और सैन्य रणनीतियों को प्रभावी ढंग से लागू किया। उन्होंने कहा वायु योद्धाओं ने अपने निर्धारित कार्यों को पेशेवर तरीके से पूरा करते हुए संयम और सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि इस अभियान से मिले अनुभव वायुसेना की बदलती कार्यप्रणाली में साफ दिखाई दे रहे हैं। खास तौर पर ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों पर बढ़ता जोर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

स्थानीय निकाय-चुनाव से जुड़े कानूनों में बदलाव की तैयारी

■ मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक हुई



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में चुनाव से जुड़े अपराधों पर लागू अलग-अलग कानूनों में बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसे लेकर गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें स्थानीय निकाय चुनाव में होने वाले अपराधों से जुड़े कानूनों और उनके प्रावधानों की समीक्षा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन (अपराध) अधिनियम सहित कई कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा हुई।

बैठक में चुनाव से जुड़े अपराधों और उन पर कार्रवाई के लिए लागू कानूनों पर चर्चा की गई। इसमें छत्तीसगढ़ स्थानीय प्राधिकारी अधिनियम, छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय न्याय संहिता, नगरपालिक निगम अधिनियम, नगर पालिका अधिनियम और पंचायत राज अधिनियम के प्रावधानों की भी समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को अगले 10 साल की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरकारी विभागों का ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए।

17 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में मानसून के खत्म होने के बावजूद एक बार फिर से मौसम बिगड़ने की चेतावनी है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक कल यानी 13 नवंबर को दिल्ली, राजस्थान, पंजाब समेत 17 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इस बारिश के दौरान 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, यूपी के कई जिलों में सुबह के समय घने कोहरे देखने को मिलेंगे। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से सर्द और तेज हवा के झोंके चलने की चेतावनी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम आफ्त बन सकता है, जहां भारी बारिश के साथ ऊंचे इलाकों में बर्फबारी भी चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा पूर्वी भारत के सीमांचल के जिलों में बिजली और वज्रपात कहर बरपा सकता है। 4 से अधिक पहाड़ी राज्यों में सीजन की बर्फबारी से ठंड बढ़ने की भी संभावना बनी हुई है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शुक्रवार 13 नवंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com



संपादकीय

देश में अशांति का माहौल

मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना है। अत: बेहतर यह होगा कि सत्ता पक्ष आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने विजय दशमी पर जो कहा, उसका सार है कि भारत के खिलाफ कोई बड़ी साजिश रची गई है। उन्होंने कहा कि कुछ दानवी शक्तियां भारत, हिंदुओं, और आरएसएस को विघटित करने की कोशिश में हैं। फ्रांस, अल्बानिया, नेपाल, बांग्लादेश आदि में हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि इनके पीछे जो शक्तियां मौजूद रही हैं, उनके निशाने पर भारत भी है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अंदाजा लगाया गया है कि उनके निशाने पर 'कॉकरोच' आंदोलन से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन थे। इसी अवसर पर प्रधानमंत्री ने भी देश के शत्रुओं की बात की। नरेंद्र मोदी ने उन लोगों या ताकतों को देश का दुश्मन बताया, जो देश के सम्मान को नुकसान पहुंचाते हैं, समाज को बांटते हैं और भारतीय संस्कृति से घृणा करते हैं। स्पष्टत: संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री दोनों इस समय विभिन्न जन समूहों- खासकर नौजवानों के जाहिर हो रहे असंतोष को वैध असहमति या विरोध प्रदर्शन के रूप में नहीं देखते। वे इसे 'भारत के विकास' के खिलाफ किसी षड्यंत्र का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि सरकार ने विरोध प्रदर्शनों के प्रति दमनकारी तरीके क्यों अपना रखे है। यह रुख इस हद तक है कि संयुक्त राष्ट्र के मानव अधिकार विशेषज्ञों की एक टीम ने 'निहत्थे छात्रों के खिलाफ' बल प्रयोग को 'परेशान करने वाली कार्रवाई' बताया है। संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार परिषद के इस बयान में हाल में सात हजार से ज्यादा नौजवानों, पत्रकारों, वकीलों, राजनीतिक दलों एवं अन्य संगठनों के सदस्यों को हिरासत में लिए जाने और उनके फोन से प्रतिरोध संबंधी सामग्रियां डिलीट किए जाने की कथित चिंताजनक घटनाओं का जिक्र किया गया है। जाहिर है, सत्ता पक्ष जो तस्वीर पेश करना चाहता है, उसके अपने दायरे के बाहर उसकी कहीं सहज स्वीकृति नहीं है। उसे समझना चाहिए कि मुंह मोड़ लेने से वो ठोस हकीकतें नहीं बदल जाएंगी, जिस कारण देश में अशांति का माहौल बना हुआ है। अत: बेहतर नजरिया यह होगा कि सरकार आंदोलनकारियों से संवाद बनाते हुए उनका भरोसा हासिल करे।

चीन से बढ़ते व्यापार असंतुलन की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा मसला है हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत इस समय चीन के साथ तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा कि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डॉलर से दो गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया है। यद्यपि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में सराहनीय वृद्धि दर्ज की गई है, परंतु चीन से भारत आने वाले आयात का विशाल परिमाण व्यापार घाटे की खाई को और अधिक गहरा बना रहा है। ऐसे में हमें हरसंभव तरीके से चीन से कारोबार में आ रही अड़चनें दूर करते हुए चीन को निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढना होगा। उल्लेखनीय है कि चीन के साथ लगातार बढ़ते हुए व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक, रणनीतिक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण चीन द्वारा अपनाई जाने वाली अप्रत्यक्ष और गैर-शुल्क बाधाएं (नॉन टैरिफबैरियर्स) हैं। वित्त मंत्री के अनुसार चीनी प्रशासन द्वारा लगाए जाने वाले अत्यधिक जटिल तकनीकी, कड़े स्वास्थ्य और गुणवत्ता संबंधी सूक्ष्म मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा बने हुए हैं। भारत बीते एक दशक से भी अधिक समय से अपनी विश्वस्तरीय जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और विविध कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में न्यायसंगत और पारदर्शी पहुंच की मांग करता रहा है। इसके विपरीत चीन अपने घरेलू उद्योगों और बाजार को पूर्ण संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से ऐसे जटिल नियामक नियम लागू करता है जिनके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी मूल्य और उच्च गुणवत्ता होने के बावजूद वहां अपनी पैठ नहीं बना पाते। इसके अतिरिक्त चीनी युआन की विनिमय दर में होने वाले उतार-चढ़ाव भी भारतीय मुद्रा रुपए पर लगातार दबाव बढ़ाते हैं, जिससे व्यापार घाटे को पाटने के लिए भारत को अपने विदेशी



मुद्रा भंडार का निरंतर इस्तेमाल करना पड़ता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक असंतुलन का एक और महत्वपूर्ण पहलू भारत के महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया अभियान की चीनी कच्चे माल और घटकों पर बनी भारी निर्भरता है। यद्यपि भारत का घरेलू विनिर्माण क्षेत्र हाल के वर्षों में तेजी से विस्तृत हुआ है, लेकिन इसका औद्योगिक बुनियादी ढांचा अब भी काफी हद तक चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग, डिस्प्ले पैनल, सोलर पीवी सेल, औषधीय कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) और भारी औद्योगिक मशीनरी चीन से आने वाले आयात पर पूरी तरह टिके हुए हैं। इस संरचनात्मक निर्भरता का सीधा परिणाम यह निकलता है कि जैसे-जैसे भारत के भीतर औद्योगिक उत्पादन, असेंबलिंग और विनिर्माण गतिविधियां बढ़ती हैं, वैसे-वैसे चीनी कलपुर्जों का आयात भी स्वत: ही आनुपातिक रूप से बढ़ता चला जाता है। इसके साथ ही, चीन ने विश्वभर में दुर्लभ धातुओं (रेयर अर्थ एलिमेंट्स), लिथियम और आधुनिक उर्वरकों के उत्पादन व निर्यात पर अपना एकाधिकार स्थापित कर कड़े नियम और कोटा लागू कर रखे हैं। नि:संदेह चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को स्थायी रूप से नियंत्रित करने के लिए केवल दंडात्मक या जवाबी सीमा शुल्क लगाना कोई दीर्घकालिक और व्यावहारिक समाधान नहीं हो सकता। इसके स्थान पर भारत को एक बहुस्तरीय, केंद्रित और दूरदर्शी रणनीति पर काम करने की आवश्यकता है, जिसमें सबसे पहली प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर का मजबूत घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। भारत को केवल अंतिम उत्पादों की असेंबलिंग करने के बजाय घटकों के स्तर पर (कंपोनेंट लेवल मैन्युफैक्चरिंग) निर्माण क्रांति शुरू करनी होगी। जब तक प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), एडवांस्ड सेंसर, डिस्प्ले पैनल और सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन देश की सीमाओं के भीतर शुरू नहीं होता, तब तक यह निर्भरता समाप्त नहीं हो सकती। राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के आक्रामक क्रियान्वयन के जरिए ही अगले कुछ वर्षों में घटकों के आयात में 30 से 40 प्रतिशत तक की महत्वपूर्ण कमी लाई जा सकती है। व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में दूसरा सबसे निर्णायक कदम फार्मास्यूटिकल्स और बल्क ड्रग क्षेत्र में 100 प्रतिशत आत्मनिर्भरता हासिल करना है। यद्यपि भारत को दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है, लेकिन भारतीय जीवनरक्षक दवा उद्योग का अपने कच्चे माल (एपीआई) के लिए 70 प्रतिशत तक चीन पर निर्भर रहना एक बहुत बड़ा रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का जोखिम है। इस संवेदनशील निर्भरता को समाप्त करने के लिए देश में घोषित बल्क ड्रग पार्कों की स्थापना में तेजी लानी होगी और 41 अति-महत्वपूर्ण एपीआई के घरेलू उत्पादन के लिए प्रोत्साहन ढांचे को धरातल पर उतारना होगा। इसके साथ ही, चीन द्वारा लगाई गई गैर-शुल्क बाधाओं का मुकाबला करने के लिए भारत को कूटनीतिक दबाव बनाने के साथ-साथ अपने देश में सख्त 'क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर' (क्यूसीओ) लागू करने होंगे। भारत में घटिया और अमानक चीनी सामान की डंपिंग को रोकने के लिए कड़े मानक तय करना बेहद जरूरी है जिससे घरेलू विनिर्माताओं को एक सुरक्षित और न्यायसंगत प्रतिस्पर्धी माहौल मिल सके। रणनीतिक दृष्टि से भारत के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं का व्यापक विविधीकरण और 'फ्रेंड-शोअरिंग' की नीति को अपनाना जरूरी है। क्रिटिकल मिनरल्स, दुर्लभ धातुओं और उच्च-तकनीकी इनपुट के लिए चीन के एकल प्रभुत्व को तोडने हेतु भारत को समान विचारधारा वाले मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर मजबूत वैकल्पिक आपूर्ति नेटवर्क तैयार करना होगा। जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों के साथ द्विपक्षीय व बहुपक्षीय मिनरल सिक्योरिटी पार्टनरशिप को व्यावहारिक रूप देना होगा। विनिर्माण के मोर्चे पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में तुलनात्मक रणनीति बनाकर काम करना होगा। ग्रीन टेक और ई-व्हीकल क्रांति के इस दौर में यदि भारत ने अभी से स्थानीय विनिर्माण को मजबूती प्रदान नहीं की, तो जीवाश्म ईंधन की मध्य-पूर्व पर निर्भरता समाप्त होकर केवल चीन के ग्रीन-आयात की नई निर्भरता में बदल जाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन से बढ़ता व्यापार घाटा केवल आयात-निर्यात का एक साधारण आर्थिक आंकड़ा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक क्षमता और रणनीतिक संप्रभुता से जुड़ा हुआ एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। भारत सरकार द्वारा अपनाया गया यह रुख सर्वथा तर्कसंगत और व्यावहारिक है कि वह केवल प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने जैसे अल्पकालिक उपायों के बजाय बहुपक्षीय बातचीत, कूटनीतिक दबाव और अपनी आंतरिक घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार का दीर्घकालिक रास्ता चुन रही है। आने वाले वर्षों में चीन से व्यापार असंतुलन कम करने के लिए हमें और अधिक रणनीतिक प्रयास करने होंगे। इस रणनीतिक काम के लिए देश के उद्यमियों-कारोबारियों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के सभी लोगों को एकजुटता, परिश्रम व समर्पण के साथ आगे बढ़ना होगा। देश के करोड़ों उपभोक्ताओं द्वारा भी घरेलू और स्वदेशी वस्तुओं की खरीद को दैनिक जीवन की प्राथमिकता बनाया जाना होगा।

आलेख

आजादी के बाद पहली बार ग्राम चांगेर में पहुंची विकास की रोशनी

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले के अबूझमाड़ क्षेत्र के कई दूरदराज और नक्सल-प्रभावित गांवों में दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोण्डागांव जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित अति दुर्गम ग्राम चांगेर में आजादी लगभग 8 दशकों में पहली बार बिजली पहुंची है। जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से कराए गए विद्युतीकरण कार्य के फलस्वरूप गांव के सभी 23 घर अब रोशनी से जगमगा उठे हैं। प्रशासनिक और भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में आठ दशकों तक बिजली नहीं पहुँच पाई थी, वहाँ सरकारी प्रयासों और विभिन्न ग्रामीण विद्युतीकरण योजनाओं के जरिए रोशनी पहुँची है। ग्राम चांगेर के ग्रामीण वर्षों से बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित थे। शाम ढलते ही गांव में अंधेरा छा जाता था। बच्चों को पढ़ाई के लिए लालटेन का सहारा लेना पड़ता था, वहीं रात के समय आवागमन में भी ग्रामीणों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। बिजली के अभाव में दैनिक जीवन के अनेक कार्य प्रभावित होते थे। ऐसे में गांव में विद्युतीकरण होना ग्रामीणों के लिए लंबे इंतजार के बाद पूरी हुई एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ग्राम चांगेर तक विकास की रोशनी पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 25.21 लाख रुपये की लागत से विद्युतीकरण कार्य कराया गया। इसके तहत गांव के सभी 23 घरों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इस पहल से ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा मिलने के साथ ही उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई संभावनाएं भी बनी हैं। लंबे समय से अंधेरे में जीवन गुजार रहे कई गाँवों और मजरों में पहली बार बिजली के बल्ब और स्मक् की रोशनी पहुँची है। बिजली आने से ग्रामीणों और बच्चों को अंधेरे से राहत मिली है तथा रात के समय कामकाज और पढ़ाई में आसानी हुई है। ग्राम चांगेर में बिजली पहुंचने से बच्चों को अब शाम के समय बेहतर रोशनी में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्रामीणों को घरेलू कार्यों में सुविधा और रात के समय आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बिजली की उपलब्धता से शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। यह सुविधा ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ग्राम चांगेर में पहली बार बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामवासियों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों के लिए यह केवल बिजली कनेक्शन मिलने की उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों से प्रतीक्षित सुविधा, सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की दिशा में एक नई शुरुआत है। माओवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा की स्थिति में सुधार के साथ विकास कार्यों को गति मिल रही है। जिला प्रशासन द्वारा दूरस्थ एवं दुर्गम गांवों तक सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ग्राम चांगेर में विद्युतीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो अंतिम छोर पर बसे परिवारों तक विकास का लाभ पहुंचाने और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प को दर्शाती है।भारत की आज़ादी के 78 वर्षों बाद कोण्डागांव ज़िले के पूर्व में नक्सल-प्रभावित ग्राम चांगेर में दशकों के अंधेरे के बाद पहली बार बिजली पहुंचाई गई है। ग्रामीण झूम उठे और उनके चेहरों खुशी की लहर दिख रही है। सरकार ने सुदूर ग्रामीणों तक विकास कार्य पहुंचाने का काम किया है। मोदी सरकार का संकल्प स्पष्ट है कि विकास की रोशनी देश के अंतिम छोर तक पहुँचे, और कोई भी गांव अंधेरे में न रहे, उनकी इसी संकल्प को छत्तीसगढ़ की श्री विष्णु देव की सरकार साकार कर रही है।

भारत की बुनियादी ढांचा योजना में परिवर्तनकारी बदलाव

पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) एक राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा मानचित्रण प्लेटफॉर्म से धीरे-धीरे विकसित होकर एक व्यापक नियोजन ढाँचे के रूप में उभरा है। यह जीआईएस आधारित मंच के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और बुनियादी ढांचा नेटवर्कों को एक साथ जोड़ता है, ताकि एकीकृत योजनाएं बनाने और परियोजनाओं के समन्वय में सहायता मिल सके। वर्तमान में इसके दायरे में 58 केन्द्रीय मंत्रालय और विभाग तथा सभी 36 राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेश शामिल हैं। भारत बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिसके लिए विभिन्न क्षेत्रों और परिवहन के साधनों के बीच समन्वय आवश्यक है। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, जलमार्ग और उपयोगिता सेवाओं के नेटवर्क अक्सर एक क्षेत्र में एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इन नेटवर्कों की एक साथ योजना बनाने से लागत और समय की बचत करने, परियोजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने तथा मौजूदा बुनियादी ढांचे का अधिक कुशलतापूर्वक उपयोग करने में मदद मिल सकती है। इसी आवश्यकता के चलते विभिन्न बुनियादी ढांचा नेटवर्कों को एक साझा नियोजन ढाँचे में एकीकृत करने की पहल की गई। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए 13 अक्टूबर 2021 को पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान की शुरुआत की गई। इसके तहत विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के आँकड़ों को एक साझा भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया। पीएम गतिशक्ति योजनाकारों को बुनियादी ढांचा, भौगोलिक विशेषताओं, आर्थिक क्षेत्रों और अन्य संबंधित महत्वपूर्ण आँकड़ों को एक साथ देखने में मदद करता है, जिससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए आँकड़ों पर आधारित योजना बनाने और निर्णय लेने में सहायता मिलती है। पाँच वर्षों में यह दृष्टिकोण एक राष्ट्रव्यापी नियोजन ढाँचे के रूप में विकसित हो चुका है। पीएम गतिशक्ति के मार्गदर्शन के लिए छह सिद्धांत निर्धारित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य बुनियादी ढांचा नियोजन को अधिक एकीकृत, कुशल और समन्वित बनाना है। इनमें एकीकृत विकास, मल्टीमॉडल बुनियादी ढांचा, अंतिम छोर तक संपर्क की सुविधा, भूमि अधिग्रहण में तेजी, मंजूरियों की संख्या में कमी तथा पारिस्थितिक प्रभाव को कम करना शामिल है। पीएम गतिशक्ति में विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढांचा योजनाओं को शामिल किया गया है, जैसे भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग, ड्राई/लैंड पोर्ट और उड़ान। सात बुनियादी ढांचा इंजन: सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, सार्वजनिक परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचा इस योजना के प्रमुख क्षेत्र हैं। समग्र सरकारी नियोजन: राष्ट्रीय मास्टर प्लान में 58 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों तथा सभी 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में अवसंरचना संबंधी प्रस्तावों की योजना बनाने और उनका आकलन करने में मदद मिलती है। एकीकृत डिजिटल नियोजन: राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बुनियादी ढांचा और भू-स्थानिक जानकारी को एक साझा जीआईएस आधारित मंच पर एकत्रित किया गया है, जिससे स्थानिक नियोजन और निर्णय लेने की प्रक्रिया को सहायता मिलती है। डेटा तक व्यापक पहुँच: पीएम गतिशक्ति पब्लिक प्लेटफॉर्म 230 अनुमोदित डेटासेट तक पहुँच प्रदान करता है, जिससे स्थल की उपयुक्तता का विश्लेषण, संपर्क सुविधा का मानचित्रण, मार्ग निर्धारण की योजना और अनुपालन संबंधी जाँच करने में मदद मिलती है। डेटा लेयर्स: 12 अक्टूबर 2026 तक 23,493 से अधिक डेटा लेयर्स के माध्यम से बुनियादी ढांचा और अन्य प्रासंगिक जानकारी को साझा जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया है। पीएम गतिशक्ति के पूरक के रूप में, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण (आईटीएलए) की स्थापना को मंजूरी दी है। यह प्राधिकरण दीर्घकालिक परिवहन नियोजन और समन्वय पर ध्यान केन्द्रित करेगा। आईटीएलए दस वर्ष या उससे अधिक की नियोजन अवधि को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान तैयार करेगा। यह क्षेत्रीय और वार्षिक परिवहन योजनाओं का आकलन करेगा तथा 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन करेगा। प्राधिकरण इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी भी करेगा। इसके अतिरिक्त, यह फास्टैग, वाहन और जीएसटीएन ई-वे बिल जैसे स्रोतों से प्राप्त जानकारी को एकीकृत करके राष्ट्रीय परिवहन डेटा रिपॉजिटरी (एनटीडीआर) विकसित करेगा। * अधिकार प्राप्त सचिवों का समूह (ईजीओएस): कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में यह समूह पीएम गतिशक्ति के कार्यान्वयन की निगरानी करता है तथा मास्टर प्लान में बदलावों की समीक्षा, उन पर विचार और उन्हें मंजूरी प्रदान करता है। नेटवर्क नियोजन समूह (एनपीजी): यह समूह बुनियादी ढांचा मंत्रालयों और विभागों के नेटवर्क नियोजन प्रभागों के प्रमुखों को एक साथ लाता है। यह बुनियादी ढांचा संबंधी प्रस्तावों की जाँच करता है तथा एकीकृत नियोजन, समन्वय और अनुकूलन सुनिश्चित करता है। साथ ही, परियोजना नियोजन के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों की निगरानी भी करता है। तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू): इस इकाई में विभिन्न क्षेत्रों और विषयों के विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो मूल्यांकन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करते हैं। यह लॉजिस्टिक्स प्रभाग को पीएम गतिशक्ति सचिवालय के रूप में अपनी भूमिका निभाने में सहायता करती है।11 अगस्त 2026 तक, नेटवर्क नियोजन समूह (एनपीजी) ने लगभग 18.66 लाख करोड़ रुपये की कुल अनुमानित लागत वाली 396 अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया था।

अश्व प्रदर्शनी-परंपरा और बदलता समय

सिकंदर बंसल

वर्तमान लवी मेले में स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्रों, पश्मीना, पट्टू, खाद्य पदार्थों, सूखे मेवों और कृषि-बागवानी से जुड़ी वस्तुओं का व्यापार होता है। इसके साथ ही आधुनिक उपभोक्ता वस्तुओं की दुकानें भी मेले का हिस्सा बन चुकी हैं। साथ ही चमुर्थी घोड़ा एक बड़ा आकर्षण है हिमालय की दुर्गम घाटियों में जब बर्फ की मोटी चादर बिछने लगती थी और ऊंचे पर्वतीय मार्ग आवागमन के लिए कठिन हो जाते थे, तब पशुधन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता हुआ करता था। बैल खेतों की शक्ति थे, भेड़-बकरियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार और घोड़े दुर्गम पहाड़ों के सच्चे सहचर। पहाड़ों में पशु मनुष्य के जीवन, अर्थव्यवस्था और अस्तित्व के अभिन्न अंग रहे हैं। इसी जीवन-व्यवस्था से पशु मेलों और अश्व प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित हुई। देश के विभिन्न भागों में पुष्कर, सोनपुर और हिमाचल प्रदेश में नलवाड़ी जैसे पशु मेले इसी सांस्कृतिक एवं आर्थिक विरासत के प्रतीक हैं। इन मेलों में पशुओं की खरीद-फरोख्त के साथ नस्ल सुधार, पशुपालन के अनुभवों का आदान-प्रदान और ग्रामीण समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति होती रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में घोड़ों का विशेष महत्त्व था, क्योंकि वे दुर्गम रास्तों पर व्यापारिक सामग्री ढोने, यात्रियों को पहुंचाने और सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ संपर्क बनाए रखने का प्रमुख साधन थे। इसी परंपरा की एक विशिष्ट झलक रामपुर बुशहर के लवी मेले से जुड़ी अश्व प्रदर्शनी में देखने को मिलती है। लवी मेले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि केवल उत्सव और मनोरंजन तक सीमित नहीं, बल्कि हिमालयी व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राजनयिक संबंधों की एक महत्त्वपूर्ण गाथा है। सतलुज नदी के तट पर स्थित रामपुर बुशहर कभी भारत और तिब्बत के मध्य व्यापारिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार बुशहर रियासत के राजा और तिब्बत के शासकों के मध्य व्यापारिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए एक संधि हुई थी। इस परंपरा का संबंध बुशहर के राजा केहर सिंह के शासनकाल से भी जोड़ा जाता है। कालांतर में लवी एक ऐसे व्यापारिक समागम के रूप में प्रतिष्ठित हुआ, जहां विभिन्न क्षेत्रों के व्यापारी अपने उत्पादों और पशुधन के साथ पहुंचते थे। यह मेला हिमालय की भौगोलिक सीमाओं को लांघकर विभिन्न सभ्यताओं, संस्कृतियों



और आर्थिक गतिविधियों को एक साझा मंच प्रदान करने लगा। पुराने व्यापारिक मार्गों के माध्यम से तिब्बत, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और लद्दाख के व्यापारी रामपुर तक आते थे। व्यापक हिमालयी और मध्य एशियाई व्यापारिक नेटवर्क के अंतर्गत अफ़ग़ानिस्तान, समरकंद, नेपाल तथा अन्य क्षेत्रों के साथ भी व्यापारिक संपर्कों का उल्लेख मिलता है। ऊन, पश्मीना, नमक, सूखे मेवे, मसाले, जड़ी-बूटियां, अनाज, स्थानीय हस्तशिल्प और पशुधन इस व्यापार के प्रमुख घटक थे। इन व्यापारिक यात्राओं में घोड़े और खच्चर परिवहन के महत्त्वपूर्ण साधन थे। व्यापारी कठिन पर्वतीय मार्गों से गुजरते हुए अपने सामान को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाते थे। उस समय लवी केवल एक मेला नहीं, बल्कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, भाषाओं और संस्कृतियों को जोडने वाला जीवंत व्यापारिक सेतु था। यहां व्यापार के साथ सामाजिक संबंधों का निर्माण होता था, सांस्कृतिक परंपराओं का आदान-प्रदान होता था और विभिन्न क्षेत्रों के लोग एक-दूसरे के जीवन, खानपान, वेशभूषा तथा रीति-रिवाजों से परिचित होते थे। वर्ष 1985 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के कार्यकाल में लवी मेले को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्रदान की गई। यह पहचान इसकी ऐतिहासिक व्यापारिक पृष्ठभूमि और भारत-तिब्बत के मध्य सदियों पुराने संबंधों की प्रतिष्ठा का प्रतीक थी। किंतु समय के साथ इसकी व्यापारिक प्रकृति में व्यापक परिवर्तन आया। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद भारत और तिब्बत के बीच पुराने व्यापारिक मार्गों पर व्यवधान उत्पन्न हुआ। सीमापार व्यापार लगभग समाप्त हो गया और उन विदेशी व्यापारियों का आगमन भी रुक गया, जो कभी अपने पशुओं और वस्तुओं के साथ इस मेले की रौनक बढ़ाते थे। इस प्रकार लवी की अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक पहचान धीरे-धीरे ऐतिहासिक स्मृति में परिवर्तित होने लगी। इस ऐतिहासिक पहचान के बीच हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में जारी अधिसूचना में लवी मेले के स्वरूप एवं स्तर को लेकर एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय स्तर के मेले के रूप में मान्यता दिए जाने का उल्लेख किया गया है। इस परिवर्तन के पीछे बदलती व्यापारिक परिस्थितियां, सीमापार वाणिज्यिक गतिविधियों का अवसान और मेले की वर्तमान भौगोलिक एवं आर्थिक सीमाएं प्रमुख कारण माने जा सकते हैं। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद तिब्बत के साथ पारंपरिक व्यापारिक मार्ग बाधित हुए और अफ़ग़ानिस्तान, तिब्बत तथा मध्य एशिया के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पुराने व्यापारिक संपर्क भी धीरे-धीरे इतिहास का हिस्सा बन गए।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

स्वर्गीय रमेशचंद जैन के देहदान से जागी नई अलख, 15 परिवारों ने लिया देहदान का संकल्प

■ लोनारा में 10 और बामंदी में 5 लोगों ने किया देहदान का संकल्प; तेरहवीं पर 30 यूनिट रक्तदान, 50 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण, गौशाला ,मंदिर ,सामाजिक संस्थाओं को 51हजार का दान और ग्रामवासियों के लिए अन्नदान



लोनारा (विश्व परिवार)। किसी व्यक्ति का जीवन समाप्त होने के बाद भी उसके विचार और सेवा भावना समाज को नई दिशा दे सकते हैं। इसका जीवंत उदाहरण लोनारा ग्राम के प्रथम देहदानी स्वर्गीय रमेशचंद जैन ने प्रस्तुत किया है। उनके देहदान के बाद क्षेत्र में देहदान के प्रति ऐसी जागरूकता आई कि अब देहदान करने वालों का सिलसिला शुरू हो गया है। उनकी तेरहवीं के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके सुपुत्र आशीष जैन एवं पौत्र शाश्वत जैन ने भी देहदान का संकल्प लिया। वहीं लोनारा ग्राम के कुल 10 तथा समीपस्थ ग्राम बामन्दी के पांच लोगों ने भी मृत्यु उपरांत देहदान का संकल्प लेकर मानवता की सेवा का अनुकरणीय निर्णय लिया। इस प्रकार रमेशचंद जैन के एक निर्णय ने अनेक लोगों को मृत्यु के बाद भी समाज के काम आने की प्रेरणा दी।

स्वर्गीय रमेशचंद जैन की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में ग्रामवासियों एवं जैन समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 30 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ उनके सुपुत्र आशीष जैन एवं अमित जैन, पोती डॉ. आकांक्षा जैन तथा पोता शाश्वत जैन ने सर्वप्रथम रक्तदान करके किया। इसके बाद ग्रामवासियों और समाजजनों ने भी रक्तदान किया।

शिविर में प्रत्येक रक्तदाता को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए एक पौधा तथा ज्ञान और संस्कारों के प्रसार के उद्देश्य से आलोक सेठी द्वारा लिखित पुस्तक 'पिता भगवान के रूप में' भेंट की गई। इस तरह रक्तदान के साथ पर्यावरण संरक्षण और साहित्य के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

देहदानी परिवार का अभिनंदन पत्र से सम्मान

इस अवसर पर सुनील जैन ईशान की ओर से देहदान के महान कार्य के लिए विशेष अभिनंदन पत्र तैयार करवाकर स्वर्गीय रमेशचंद जैन के सुपुत्र आशीष जैन एवं अमित जैन सहित परिवारजनों को भेंट किया गया। अभिनंदन पत्र के माध्यम से परिवार के त्याग, साहस और मानवता के प्रति समर्पण की सराहना की गई। परिवार के इस निर्णय को समाज के लिए अनुकरणीय बताया गया। सेवा गतिविधियों की श्रृंखला में सुनील जैन ईशान एवं दीपक जैन बामंदी ने प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय लोनारा पहुंचकर ठंड को देखते हुए 50 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए। वहीं स्वर्गीय रमेशचंद जैन के परिवारजनों की ओर से ग्रामवासियों के लिए अन्नदान की व्यवस्था भी की गई।

प्रकृति में संस्कृति लायें, विकृति नहीं

■ संस्कृति विकास का और विकृति विनाश का प्रतीक है



कोटा (विश्व परिवार)। हम जिस विकास की दौड़ में भाग रहे हैं, वह विकास है या विनाश की ओर तेज़ी से बढ़ते कदम, यह सोचने का समय आ गया है।

हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा था - प्रकृति रक्षति रक्षिता। पर आज मनुष्य प्रकृति का रक्षक नहीं, भक्षक बन गया है। रामायण में सीता माता ने कितना प्यारा संदेश दिया था कि संपूर्ण प्रकृति एवं उसमें जितने जीव जंतु हैं, सब आपके अपने हैं। प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश इससे बड़ा नहीं हो सकता। नजरे अपनी बदलो नजारे बदल जायेगे सबको अपना मानो सब आपके हो जाएगे

वन-उपवनों का कटना

शहरों के विस्तार के नाम पर, कागज़ और फर्नीचर के नाम पर हम प्रतिदिन हजारों पेड़ काट रहे हैं। एक पेड़ को बड़ा होने में 20-30 साल लगते हैं और काटने में 20 मिनट। पेड़ कटने से सिर्फ लकड़ी नहीं जाती, पूरा पारिस्थितिकी तंत्र उजड़ जाता है - पक्षियों के घोंसले, जीव-जंतुओं का आश्रय, मिट्टी की पकड़, वर्षा का चक्र सब टूट जाता है। याद रखिए, एसी हम खरीद सकते हैं, ऑक्सीजन नहीं।

पर्वतों को चीरना: धरती की हड्डियाँ तोड़ना

विकास के नाम पर हम पर्वतों को डायनामाइट से उड़ा रहे हैं, रेल मार्ग और हाईवे के लिए। पर्वत सिर्फ पत्थर नहीं हैं। वे जल के स्रोत हैं, बादलों को रोकते हैं, नदियों को जन्म देते हैं, भूकंप से धरती को थामते हैं। जब हम पर्वत चीरते हैं, तो भूस्खलन, बादल फटना, जोशीमठ जैसी घटनाएँ उसी का परिणाम हैं। प्रकृति को अपने अनुसार चलाने का अहंकार महंगा पड़ रहा है।

बड़े हाईवे और कंक्रीट का जंगल

हरियाली के ऊपर काली सड़क बिछाना आज शान समझा जाता है। एक हाईवे बनने के लिए हजारों एकड़ उपजाऊ जमीन, जंगल और खेत खत्म हो जाते हैं। सड़क के दोनों ओर जो तापमान बढ़ता है, जो जल-भराव होता है, जो जीवों के रास्ते बंद होते हैं, उसकी कीमत कोई नहीं गिनता।

संसाधनों का अंधा दोहन

नदियों से बेतहाशा रेत निकालना, जमीन से पानी खींचते जाना, खनन के नाम पर धरती को खोखला करना - ये सब विकृति ही तो है।

बिरगांव निगम क्षेत्र में छठ पूजा की तैयारियां तेज

■ व्यास तालाब सहित सभी छठ घाटों पर चल रहा है तैयारी का कार्य



रायपुर (विश्व परिवार)। बिरगांव नगर निगम वाड क्रं 28 के पार्षद इकराम अहमद ने बताया की बिरगांव निगम क्षेत्र में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी छठ महापर्व को लेकर तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। निगम क्षेत्र के प्रमुख व्यास तालाब सहित सभी छठ तालाबों एवं घाटों पर साफ-सफाई, स्वच्छता और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

छठ महापर्व को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के मद्देनजर घाटों की सफाई, पचरी की रंगाई पुताई की व्यवस्था तथा आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है, ताकि व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस अवसर पर निगम प्रशासन से अपील है कि छठ पूजा से पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। साथ ही क्षेत्र के नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से भी आग्रह है कि तालाबों एवं छठ घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

भारत की संस्कृति गांवों में बसती है : कैप्टन तिवारी

■ लाफिन कला में 7वें वर्ष मनाया गया सामूहिक दीपावली पर्व



महासमुंद (विश्व परिवार)। ग्राम लाफिन कला में मंगलवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। यहां के उत्साही युवाओं की पहल पर विगत सात वर्षों से समस्त ग्रामवासी एकत्रित होकर गोवर्धन पूजा का पर्व सामूहिक रूप से मनाते आ रहे हैं। जिसमें स्थानीय स्तर पर सुआ व राऊत नृत्य का आयोजन किया जाता है। साथ ही आतिशबाजी की जाती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैप्टन ओ.के. तिवारी रहे। अध्यक्षता पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार आनंदराम पत्रकारश्री ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद प्रतिनिधि योगेश्वर चन्द्राकर, सेवानिवृत्त प्रधान पाठक अरुण कुमार बंसोर, सेवानिवृत्त प्राचार्य दुलार सिंह ध्रुव, सहायक अनुभाग अधिकारी एवं छग मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के प्रवक्ता लोकेश्वर साहू तथा सेवानिवृत्त दफ्तरी लखनलाल साहू उपस्थित रहे।

इस दौरान यादव भाइयों ने राऊत नृत्य और ईशर गौरा महिला संगठन की महिलाओं व अन्य बालिकाओं ने सुआ नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों और ग्रामीणों का दिल जीत लिया। सभी को नगद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।अतिथियों ने अपने उद्बोधन में युवाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति गांवों में बसती है। इस प्रकार एकत्रित होकर सामूहिक रूप से किसी पर्व को मनाना गांव की एकता और समरसता का परिचायक है।यह पहल अन्य ग्रामों के लिए प्रेरक सिद्ध हो सकता है।कार्यक्रम के आयोजन-संयोजन में शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल, गोवर्धन प्रसाद साहू, रामजी साहू व ग्राम समिति, मंदिर समिति ने अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर केतन साहू, रामकुमार साहू, नेतन पटेल, हेमूराम साहू, जगदीश प्रसाद साहू, कमलेश साहू, हरिराम साहू, तोष कुमार साहू, नरोत्तम पटेल, नाथूराम साहू, नीलकमल साहू,रामू साहू, भेखलाल साहू, पवन साहू, तुलस पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

भाटापारा जैन समाज के इतिहास में पहली बार आयोजित हुआ भव्य जैन स्नेह संगम

■ नई सोच, नए विचार और आपसी प्रेम के साथ समाजजनों का यादगार मिलन समारोह संपन्न



भाटापारा (विश्व परिवार)। सकल दिगंबर जैन समाज, भाटापारा के तत्वावधान में समाज के इतिहास में पहली बार एक अभिनव पहल करते हुए जैन स्नेह संगम का भव्य आयोजन 10 नवंबर को SK Resort में किया गया। दोपहर 1:30 बजे से आयोजित इस विशेष मिलन समारोह का उद्देश्य समाज के सभी परिवारों को एक मंच पर लाकर आपसी प्रेम, सौहार्द, एकता और पारिवारिक संबंधों को और अधिक मजबूत बनाना था।

समाज अध्यक्ष सवाई सिंघई पीयूष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन की सबसे खास बात इसकी नवीन सोच और अनूठी परिकल्पना रही। आज की व्यस्त जीवनशैली में जहां सामाजिक मेल-मिलाप के अवसर कम होते जा रहे हैं, वहीं जैन स्नेह संगम ने समाज के लोगों को एक-दूसरे के करीब आने, परिचय बढ़ाने और आपसी रिश्तों में अपनत्व की मिठास घोलने का सुंदर अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रति अपने महत्वपूर्ण योगदान एवं सेवाओं के लिए पूर्व महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जतनी, संगीता जैन एवं संगीता सिंघई तथा उनकी कार्यकारणी समिति तथा पूर्व कोषाध्यक्ष श्री गौरव गदिया एवं पूर्व उपाध्यक्ष श्री विनोद जैन जी का सम्मान सकल दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारी दीपक, सुधीर, पंकज, हिमांशु, मनीष जैन ने कर उनके सामाजिक योगदान की सराहना की गई। इस सम्मान समारोह के माध्यम से समाज के प्रति समर्पण, सेवा भावना एवं नेतृत्व को सम्मानित करने की सुंदर परंपरा को आगे बढ़ाया गया।

स्व. मुरलीधर केवलानी जी को पुरन्दर मिश्रा ने अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

■ समाजसेवा के प्रति समर्पित जीवन को नमन, विधायक पुरन्दर मिश्रा ने स्व. मुरलीधर केवलानी जी को दी श्रद्धांजलि



रायपुर (विश्व परिवार)। शंकर नगर स्थित सिंधु पैलेस में शंकर नगर-शांति नगर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय श्री मुरलीधर केवलानी जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा जी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने स्वर्गीय मुरलीधर केवलानी जी के सामाजिक योगदान, समाज के प्रति समर्पण एवं उनके सेवाभावी व्यक्तित्व को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान, एकता और संगठन के लिए समर्पित उनका जीवन सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। स्वर्गीय केवलानी जी का सरल स्वभाव, समाज के प्रति उनकी निष्ठा और जनसेवा के कार्य हमेशा स्मरण किए जाते रहेंगे। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करें।

सार्थक जैन को पारस संगम 2026 में युवा शक्ति सम्मान से किया गया सम्मानित



रायपुर (विश्व परिवार)। पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन द्वारा आयोजित पारस संगम 2026 का भव्य आयोजन शहीद स्मारक, रायपुर में संपन्न हुआ। यह आयोजन मुख्य अतिथि डॉ. वर्णिका शर्मा (छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग), श्री सुनील सोनी जी (विधायक, रायपुर दक्षिण विधानसभा), श्री प्रभात मिश्रा जी एवं श्री सुधीर गौतम जी (अध्यक्ष, शिक्षा आयोग, रायपुर) की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस समारोह में युवा उद्यमी एवं एस.एस. क्रिएशन के डायरेक्टर सार्थक जैन को उनके अमूल्य सहयोग और समाज सेवा के प्रति समर्पण के लिए युवा शक्ति सम्मान - सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। यह सम्मान फाउंडेशन के सचिव श्री मूलचंद कश्यप, अध्यक्ष डॉ. कविता कुंभज और कोषाध्यक्ष श्री राहुल कुंभज द्वारा प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व सार्थक जैन को पारस दशाब्दी सम्मान समारोह में बिट बाईट इन्फोटेक कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, रायपुर द्वारा रायपुरियां कर्तव्य सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। पारिवारिक पृष्ठभूमि:सार्थक जैन प्रसिद्ध समाजसेवी श्री पीयूष जैन के सुपुत्र हैं। उन्हें समाज सेवा की प्रेरणा अपने पिता श्री पीयूष जैन एवं अपनी दादी स्व. श्रीमती विद्या देवी जैन से प्राप्त हुई है, जो स्वयं एक वरिष्ठ समाजसेविका थीं।

छठ महापर्व से पहले संवर रहा जगदलपुर का गंगा मुंडा

■ घाटों और परिसर में चला सघन स्वच्छता अभियान



जगदलपुर (विश्व परिवार)। लोक आस्था और सूर्योपासना के महापर्व छठ की तैयारियों के मद्देनजर जगदलपुर के प्रसिद्ध गंगा मुंडा तालाब परिसर में बुधवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। छठव्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पूरे घाट व आसपास के क्षेत्र की मुस्तैदी से साफ-सफाई की गई। गुरुवार को भी यहां स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

छठ पर्व के दौरान गंगा मुंडा में अस्ताचलगामी और उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे देखते हुए अभियान के तहत घाटों की सीढ़ियों, पूजा स्थलों और संपर्क मार्गों पर बिखरे कचरे, प्लास्टिक अपशिष्ट और जलकुंभी को हटाया गया।

स्थानीय प्रशासन, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है। स्थानीय लोगों ने अभियान में बढ़-चढ़कर श्रमदान किया और जलस्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। घाटों की सफाई के साथ-साथ प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

धर्म के नाम पर लड़ने के बजाय धर्म को अपने आचरण में उतारें : राष्ट्रसंत मुनि श्री प्रमाणसागर जी



मधुवन (विश्व परिवार)। जब धर्म आग्रह और अहंकार का विषय बन जाता है तो समाज में वैमनस्य और कटुता फैलने लगती है गुणायतन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' ने बताया मुनि श्री ने कहा कि धर्म के नाम पर लड़ने को सभी तैयार हैं, लेकिन धर्म के रास्ते पर चलने को कोई तैयार नहीं इस विषय पर मुनि श्री ने कहा कि इस कथन में गहरा संदेश छिपा है। लोग धर्म के नाम पर जितना संघर्ष करते हैं,यदि उतना ही धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें तो समाज में लड़ाई की कोई गुंजाइश ही नहीं रहेगी। मुनिश्री ने शंका समाधान में धर्म का वास्तविक स्वरूप, जीव की पर्याय, भाग्य एवं पुरुषार्थ, धन और त्याग,आत्मपहचान,पारिवार की एकता, युवाओं की एकाग्रता तथा गृहस्थ जीवन में धर्म-अर्थ-काम के संतुलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संप देश से आये श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर लड़ने के बजाय धर्म को अपने आचरण में उतारना आवश्य है ।

धर्म का उद्देश्य दूसरों को गलत सिद्ध करना नहीं, बल्कि स्वयं के जीवन को संयमित, मर्यादित और सदाचारी बनाना है। इसी प्रकार जीवन में सब कुछ नियति पर छोड़कर बैठना उचित नहीं है। व्यक्ति को सही दिशा में पुरुषार्थ करते हुए अपने ज्ञान, चरित्र और आत्मिक विकास का प्रयास करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा लोग धर्म के नाम पर संघर्ष करने और अपने मत को श्रेष्ठ सिद्ध करने में जितनी शक्ति लगाते हैं, यदि उतनी ही तत्परता धर्म के सिद्धांतों को जीवन में उतारने में लगाएं तो समाज में विवाद और वैमनस्य समाप्त हो सकते हैं हमें धर्माग्रही नहीं, धर्माचरणी बनना चाहिए। धर्म का वास्तविक प्रभाव हमारे व्यवहार, विचार, वाणी और जीवनशैली में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने जीव की पर्याय, भाग्य और पुरुषार्थ के संबंध में स्पष्ट किया कि जैन दर्शन नियतवाद को स्वीकार नहीं करता, बल्कि वैज्ञानिक कारण-कार्य व्यवस्था को मानता है। प्रत्येक कार्य के पीछे कारण होते हैं और कार्य की उत्पत्ति उन कारणों के अनुरूप होती है। कनाडा में तीन दशक से निवास कर रहे एक दंपति ने जिज्ञासा रखी कि जब भगवान के ज्ञान में भूत, भविष्य और वर्तमान की सभी पर्यायें ज्ञात हैं तो क्या जीव की पर्याय पहले से निश्चित है और क्या पुरुषार्थ से उसमें परिवर्तन संभव है? महाराज श्री ने कहा कि भगवान के ज्ञान में क्या है, इसकी चिंता करने के बजाय भगवान ने अपने उपदेश में क्या कहा है, उसे समझना चाहिए। आचार्य कुंदकुंद के वचनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति सम्यक्दर्शन, सम्यक्ज्ञान और सम्यक्चरित्र रूपी रत्नत्रय को अंगीकार कर जिनेंद्र भगवान की आराधना करता है, वह अचिरकाल में मोक्ष प्राप्त कर सकता है। यदि सब कुछ पहले से नियत और अपरिवर्तनीय होता तो शीघ्र मोक्ष प्राप्त करने के पुरुषार्थ का कोई अर्थ नहीं रह जाता। पंडित टोडरमल जी के मोक्षमार्ग प्रकाशक का संदर्भ देते हुए उन्होंने समझाया कि जो लोग सब कुछ भाग्य के भरोसे मानते हैं, उन्हें फिर भोजन, व्यापार और दैनिक कार्यों के लिए भी पुरुषार्थ नहीं करना चाहिए। वास्तविकता यह है कि व्यक्ति सांसारिक कार्यों में पूरा प्रयास करता है, लेकिन धर्म और आत्मकल्याण के समय नियति का बहाना बनाने लगता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 555-दिवसीय 'बॉब गोल्डन गोल' जमा योजना की ब्याज दरें बढ़ाईं

मुंबई। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज 'बॉब गोल्डन गोल जमा योजना'के तहत ब्याज दरों में 10 बेसिस पॉइंट्स (bps) की बढ़ोतरी की घोषणा की। यह 555 दिनों की विशेष रिटेल सावधि जमा योजना है, जो सभी ग्राहक वर्गों और प्रतिदेय तथा गैर-प्रतिदेय दोनों विकल्पों के लिए उपलब्ध है।बैंक ऑफ़ बड़ौदा की गोल्डन गोल जमा योजना पर अबप्रति वर्ष 7.50% तक का ब्याज मिल रहा है। यह योजना 3 करोड़ रुपये से कम की रिटेल सावधि जमा पर लागू है और नई दरें 12 नवंबर, 2026 से प्रभावी होंगी। अन्य सभी अवधियों के लिए सावधि जमा दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

बढ़ती ब्याज दरों के परिवेश में, बैंक ऑफ़बड़ौदा ने जमाकर्ताओं को बेहतर रिटर्न देने के लिए अपनी 555-दिवसीय 'बॉब गोल्डन गोल जमा योजना' पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। यह लक्षित संशोधन बैंक की विवेकपूर्ण आस्ति-देयता प्रबंधन कार्यनीति के अनुकूल है, जिससे बैंक को अपना जमा आधार सुदृढ़ करने और मार्जिन की स्थिरता बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

सुश्री बीना वाहिद, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने कहा कि, बैंक ऑफ़ बड़ौदा जमाकर्ताओं को आकर्षक रिटर्न देने के साथ हीवृद्धिशील अर्थव्यवस्था की ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बॉब गोल्डन गोल जमा योजना के तहत ब्याज दरों में वृद्धि उन ग्राहकों को अधिक लाभ प्रदान करेगी जो मध्यम अवधि में स्थिर और निश्चित रिटर्न चाहते हैंऔर साथ ही यह बैंक के जमा आधार को भी सुदृढ़ता प्रदान करेगी।

बैंक के मोबाइल बैंकिंग ऐप (बॉब वर्ल्ड), नेट बैंकिंग (बॉब वर्ल्ड इंटरनेट) या देश भर में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की किसी भी शाखा में जाकर नई सावधि जमाखाता आसानी से खोली जा सकती है। इसके अतिरिक्त, बैंक के नए ग्राहक बचत खाता खोले बिना बैंक ऑफ़ बड़ौदा की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन सावधि जमा खाता खोल सकते हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, शुक्रवार 13 नवंबर 2026

स्टेयरिंग छोड़ हड़ताल पर उतरे वाहन चालक, बसों के पहिए थमे

ड्राइवर आयोग के गठन सहित विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन, यात्री परेशान; गरियाबंद जिले के कई प्रमुख मार्गों पर बस सेवाएं प्रभावित



गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्रदेशभर में वाहन चालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन शुरू कर दिया है। इसका असर गरियाबंद जिले में भी देखने को मिल रहा है। आंदोलन के चलते यात्री बसों सहित अन्य व्यावसायिक वाहनों का संचालन प्रभावित हो गया है। गुरुवार सुबह से ही बसों के पहिए थमे रहने के कारण यात्रियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कई यात्री घंटों तक बस स्टैंडों में बसों का इंतजार करते रहे, वहीं कुछ लोगों को मजबूरी में निजी वाहनों और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ा।

ऑल छत्तीसगढ़ ड्राइवर एसोसिएशन के आह्वान पर वाहन चालक अनिश्चितकालीन आंदोलन में शामिल हुए हैं। चालकों की प्रमुख मांगों में छत्तीसगढ़ में ड्राइवर आयोग का गठन, चालकों की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने के साथ उनके अधिकारों, सुरक्षा और सामाजिक सम्मान सुनिश्चित करना शामिल है।

चालकों का कहना है कि वे दिन-रात मेहनत कर परिवहन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा, दुर्घटना के समय आर्थिक सहायता और परिवार के भविष्य की सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। एसोसिएशन ने शासन से मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द निर्णय लेने की अपील की है।

कई प्रमुख मार्गों पर बसों का संचालन प्रभावित- हड़ताल का असर गरियाबंद जिले के प्रमुख यात्री मार्गों पर देखने को मिला। गरियाबंद से रायपुर, देवभोग से रायपुर, गरियाबंद से नगरी, धमतरी, कांकेर, जगदलपुर तथा छुरा-कोमाखान मार्ग पर यात्री बसों का संचालन प्रभावित रहा। इन मार्गों पर नियमित रूप से सफर करने वाले यात्रियों को बसों के इंतजार में काफी परेशानी उठानी पड़ी।

बस सेवाएं प्रभावित होने से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों, मरीजों और जरूरी काम से दूसरे शहरों की यात्रा करने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। अचानक परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से यात्रियों की दिनचर्या भी अस्त-व्यस्त हो गई।

बसों के इंतजार में सुबह से भटकते रहे यात्री- गुरुवार सुबह से ही गरियाबंद जिले के विभिन्न बस स्टैंडों पर यात्री बसों के इंतजार में बैठे रहे। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। बसें नहीं पहुंचने के कारण कुछ यात्रियों को निराश होकर लौटना पड़ा, जबकि कई लोगों ने निजी वाहनों और दूसरे वैकल्पिक साधनों से सफर पूरा किया। हड़ताल का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ा, जिन्हें रोजाना नौकरी, पढ़ाई, इलाज और अन्य जरूरी कामों के लिए दूसरे शहरों तक जाना पड़ता है। बसों का संचालन बंद रहने से ग्रामीण क्षेत्रों से जिला मुख्यालय और अन्य शहरों तक पहुंचना भी मुश्किल हो गया।

4 नवंबर को प्रशासन को सौंपा था ज्ञापन- जिला ड्राइवर संघ की ओर से आंदोलन की सूचना पहले ही प्रशासन को दे दी गई थी। संघ के पदाधिकारियों ने 4 नवंबर को कलेक्टर, एसडीएम और संबंधित थाना प्रभारियों को ज्ञापन सौंपकर आंदोलन की जानकारी दी थी। इसके बावजूद आंदोलन शुरू होने के बाद यात्री परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है।

वाहन चालकों ने अपनी मांगों पर शासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। वहीं हड़ताल के चलते आम यात्रियों को हो रही परेशानी के बीच अब सभी की नजरें शासन और प्रशासन की पहल पर टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

सूरजपुर के नए सीएसपी विशाल गर्ग ने किया पदभार ग्रहण



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर के नए सीएसपी विशाल गर्ग ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। 03 नवम्बर 2026 को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन से मुलाकात कर श्री गर्ग ने कार्यभार ग्रहण किया। सीएसपी विशाल गर्ग वर्ष 2022 बैच के राज्य पुलिस अधिकारी है वे इसके पूर्व उप पुलिस अधीक्षक, विशेष आसूचना शाखा जिला बीजापुर में पदस्थ रहे।

विश्व डायबिटीज दिवस: समय रहते कदम उठाने की शुरुआत खानपान से, रोजाना के आहार में कैलिफोर्निया बादाम जैसे नट्स को करें शामिल

नईदिल्ली। डायबिटीज से पीड़ित लगभग हर दो में से एक व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में जानकारी नहीं है और उनका निदान नहीं हो पाता है। ऐसे में 14 नवंबर को मनाया जाने वाला विश्व डायबिटीज दिवस एक बार फिर समय रहते कदम उठाने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। इस वर्ष की थीम, डायबिटीज पर समय रहते कदम उठाना, डायबिटीज की जल्द पहचान करने और इसके जोखिम को कम करने पर जोर देती है। भारत को अक्सर दुनिया की डायबिटीज राजधानी कहा जाता है। ऐसे में समय रहते कदम उठाने की यह अपील देश के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में 2023 में प्रकाशित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR)–INDIAB के अध्ययन के अनुसार, भारत में अनुमानित 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, जबकि 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की स्थिति में हैं। इसका मतलब है कि देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा ऐसी स्थिति में है, जहां समय रहते कदम उठाना बेहद जरूरी है। प्रोसेस्ड फूड, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट और चीनी से भरपूर खानपान इस चुनौती को और बढ़ाता है। इसीलिए, रोजमर्रा के खानपान से जुड़े विकल्प इस दिशा में शुरुआत करने का एक व्यावहारिक तरीका हैं और कैलिफोर्निया बादाम जैसे नट्स को भी इस दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। बादाम का अनूठा पोषक तत्व प्रोफाइल, जिसमें प्रोटीन [6 ग्राम] और फाइबर [3 ग्राम] शामिल हैं, उन्हें ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करने वाले एक प्राकृतिक खाद्य विकल्प के रूप में उपयुक्त बनाता है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड - डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली ने कहा, समय रहते कदम उठाने का मतलब अक्सर छोटी-छोटी चीजों को नियमित रूप से अपनाना होता है और इसकी शुरुआत अपनी थाली से की जा सकती है।

फेयरफैक्स के सीओओ ने कहा, आईडीबीआई बैंक में वैश्विक पहुंच वाला भारत का सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता

मुंबई : कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) पीटर क्लार्क ने कहा है कि आईडीबीआई बैंक में वैश्विक पहुंच वाला भारत का सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि इससे भारत का ऋण-जीडीपी अनुपात बढ़ाने और आम नागरिकों के जीवन में बदलाव लाने में मदद मिलेगी। फेयरफैक्स के नेतृत्व में अरबपति निवेशक प्रेम वत्स की कंपनी ने आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 81 रुपये प्रति शेयर की बोली लगाई है। इस सौदे का कुल मूल्य 52,878 करोड़ रुपये है। यह बोली सरकार के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए निर्धारित 75.99 रुपये प्रति शेयर के मानक से अधिक है। फेयरफैक्स की पेशकश 31 मार्च, 2026 तक आईडीबीआई बैंक के 51.85 रुपये प्रति शेयर के नियामकीय बुक वैल्यू से करीब 56 प्रतिशत प्रीमियम पर है। यह उस समय के 70.38 रुपये के शेयर बाजार भाव से भी लगभग 15 प्रतिशत अधिक है, जब अंतिम बोलियां आमंत्रित की गई थीं। फेयरफैक्स के अध्यक्ष एवं सीओओ पीटर क्लार्क ने कहा, ''हमारा मानना है कि आईडीबीआई में वैश्विक पहुंच वाला भारत का सर्वश्रेष्ठ यूनिवर्सल बैंक बनने की क्षमता है। इससे भारत का ऋण-जीडीपी अनुपात बढ़ाने और आम नागरिकों के जीवन को बदलने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि फेयरफैक्स की नीति के अनुसार कंपनी अपने जारी लेनदेन पर टिप्पणी नहीं करती है। इस प्रस्तावित अधिग्रहण से फेयरफैक्स को आईडीबीआई बैंक का प्रबंधन नियंत्रण मिलेगा, जबकि केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त रूप से 34 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी रहेगी। इस तरह सरकार और LIC भी बैंक की भविष्य की वृद्धि में भागीदार बने रहेंगे।

सूरजपुर जिला कांग्रेस कमेटी का वोट बचाओ देश बचाओ का अभियान हुआ तेज

गांव गांव चौपाल लगाकर ग्रामीणों को किया जा रहा है जागरूक



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार वोट बचाओ ङ्क देश बचाओ अभियान के तहत ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे एवं एस आई आर से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी की प्रमुख मांगों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जन चौपाल के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज सूरजपुर जिले के श्रीनगर-परशुरामपुर में जन चौपाल का आयोजन किया गया।

प्रभारी के रूप में पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने ग्रामीणों से संवाद कर लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा एवं मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी, साथ ही जिला अध्यक्ष सुश्री शशि सिंह सहित वक्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार की सुरक्षा और जनता की आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर प्रभारी एवं मुख्य अतिथि आदरणीय गुलाब कमरो पूर्व विधायक सोनहत-भरतपुर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह, इस्माइल ख़ान, के.के अग्रवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष, महेंद्र साहू ब्लॉक अध्यक्ष रामानुजनगर, चन्द्रदत दुबे महामंत्री, परमेश्वर ओरकेरा मण्डल अध्यक्ष परशुरामपुर, फ़िरोज ख़ान, सुरेश सिंह,ताजीमुल,शेख़ मो, सूरजपुर जिला कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सैमसंग इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए MSME मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए

नईदल्ली। सैमसंग इंडिया और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) ने तीन साल के एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत पहले साल में 1,600 लोगों को इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयर, मेंटेनेंस और सर्विसिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरे देश में स्थित 15 MSME टेक्नोलॉजी सेंटरों के माध्यम से दिया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में MSME के विकास आयुक्त (Development Commissioner) कार्यालय में हस्ताक्षरित किया गया। इस दौरान MSME के अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त डॉ. रजनीश; सैमसंग SW के CSR और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस प्रमुख शुभम मुखर्जी; सैमसंग SWA के एक्सटर्नल कम्युनिकेशंस और CSR विभाग के जुनहो जियोंग; सैमसंग SWA के कस्टमर सर्विस (फील्ड क्वालिटी मैनेजमेंट) विभाग के ह्युन्की मिन; और सैमसंग तथा मंत्रालय के अन्य अधिकारी मौजूद थे। सैमसंग की 'दोस्त सर्विस' (Dost Service) पहल के तहत, कंपनी भाग लेने वाले केंद्रों में क्लासरूम और प्रयोगशालाओं (लैब) के लिए सहयोग देगी, साथ ही प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए जरूरी उत्पाद और उपकरण उपलब्ध कराएगी। यह प्रशिक्षण मोबाइल फोन, टैबलेट, स्मार्टवॉच, टेलीविजन, एयर कंडीशनर, वाशिंग मशीन और प्रोफेशनल डिस्प्ले उत्पादों के लिए दिया जाएगा। सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के CSR और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस प्रमुख शुभम मुखर्जी ने कहा, भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के विकास के साथ-साथ कुशल सर्विस तकनीशियनों की भी जरूरत है। जैसे-जैसे उत्पाद अधिक आधुनिक होते जा रहे हैं, तकनीशियनों को उनकी इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और रिपेयरिंग के लिए व्यावहारिक और समय-समय पर अपडेट होने वाले कौशल की आवश्यकता होती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की दूसरी तिमाही में 19.5 प्रतिशत बढ़ी आमदनी, मुनाफे में 25.7 प्रतिशत का उछाल

रायपुर। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद अपनी सबसे अधिक तिमाही ग्रोथ दर्ज की है। कंपनी की ऑपरेशंस से आमदनी पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 19.5 प्रतिशत बढ़कर 73.80 अरब रुपए पहुंच गई। वहीं, एबिटा में 28 प्रतिशत और टैक्स के बाद मुनाफे में 25.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही डबल डिजिट ग्रोथ हासिल की है।

दूसरी तिमाही में कंपनी का एबिटा 7.01 अरब रुपए रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में 5.48 अरब रुपए था। एबिटा मार्जिन भी 8.9 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इस दौरान टैक्स के बाद मुनाफा 3.89 अरब रुपए से बढ़कर 4.89 अरब रुपए पहुंच गया। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी और करेंसी में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनी ने यह प्रदर्शन किया।

कंपनी के होम अप्लायंसेस और एयर सॉल्यूशन सेगमेंट ने लिस्टिंग के बाद की सबसे अच्छी तिमाही ग्रोथ दर्ज की। इस सेगमेंट की आमदनी 20.9 प्रतिशत बढ़कर 47.72 अरब रुपए हो गई। वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और रूम एयर कंडीशनर जैसी प्रमुख श्रेणियों में डबल डिजिट ग्रोथ रही। वहीं, डिशवॉशर की बिक्री में भी तेजी आई।

होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट ने लगातार तीसरी तिमाही डबल डिजिट ग्रोथ हासिल की। इसकी आमदनी 17.2 प्रतिशत बढ़कर 26.08 अरब रुपए रही। टेलीविजन की बिक्री, खासकर बड़ी स्क्रीन वाले टीवी की मांग से कारोबार को मजबूती मिली। ऑफलाइन टेलीविजन बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

कंपनी ने आईपीओ के बाद से 20 नए देशों में अपने उत्पादों की बिक्री शुरू की है। इससे उसके एक्सपोर्ट बाजार और पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है। भारत को कंपनी एक्सपोर्ट के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित कर रही है।

संघ का दीपोत्सव मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ हुआ संपन्न





सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक शुभ परिवार)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिला सूरजपुर छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आज श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर, बिश्रामपुर में दीपोत्सव मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया, कार्यक्रम का प्रारंभ मंदिर के प्रांगण में 501 दीप जलाकर किया गया, उसके उपरांत प्रतिदिन की भांति मंदिर में हनुमान चालीसा, शिव रुद्राष्टकम, राम जी, हनुमान जी की आरती एवं स्तुति संपन्न हुई, तत्पश्चात प्रसाद वितरण के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रचारक श्री नागेश नाथ योगी जी, सह विभाग संघचालक श्री ललितेश कुमार जी एवं इस दीपोत्सव मिलन कार्यक्रम मे विभाग, जिला के दायित्ववान स्वयंसेवक भी उपस्थित थे। सह विभाग संघचालक श्री ललितेश कुमार जी के द्वारा समस्त भक्तगणों के समक्ष पंच परिवर्तन का विषय रखा गया, जिसमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी एवं नागरिक कर्तव्य बोध जन-जन आत्मसात करें और एक सुदृढ़, सशक्त भेदभाव रहित समाज हो ऐसा आग्रह किया। लोगों ने दीपावली की शुभकामनाएं साझा करते हुए सुख, समृद्धि, आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने दीपोत्सव की खुशियां मिलकर मनाईं।

जंगल के रखवालों को मिलेगा नया ठिकाना, अब बारी बिन्द्रानवागढ़ की मेहमाननवाजी की

देवझरअमली, जुगाड़, ओंढ और अमलोर के परिवारों के स्वैच्छिक पुनर्वास पर स्ज्ञक्रकी भावनात्मक अपील, बोले नए पड़ोसियों का दिल खोलकर करें स्वागत



गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिन्होंने पीढ़ियों तक जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा की, अब उनके सुरक्षित और बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। इसी संदेश के साथ उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (स्ज्ञक्र) प्रशासन ने बिन्द्रानवागढ़ अंचल के ग्रामवासियों से देवझरअमली, जुगाड़, ओंढ और अमलोर के पुनर्वासित परिवारों का आत्मीय स्वागत करने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि ये परिवार बाहरी नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के अपने लोग हैं। इन्हें नए परिवेश में सम्मान, सहयोग और अपनत्व देना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

टाइगर रिजर्व के भीतर बसे इन गांवों के परिवार पीढ़ियों से घने जंगलों के बीच जीवन बिताते आए हैं। जंगल, प्राकृतिक संसाधन और वन्यजीव इनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। इनके संरक्षण में इन परिवारों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। इसी वन क्षेत्र से महानदी की प्रमुख सहायक नदियां पैरी और सोंदूर निकलती हैं, जिनका पानी आसपास के कृषि क्षेत्रों और हजारों परिवारों की आजीविका का आधार है।

संघर्ष और कठिनाइयों के बीच बेहतर भविष्य की तलाश- हाथी, तेंदुए और भालू जैसे वन्यजीवों के साथ रहते हुए इन परिवारों ने वर्षों तक मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौतियां झेली हैं। फसलों का नुकसान, जान-माल का खतरा और रोजगार की अनिश्चितता उनकी दिनचर्या का हिस्सा रही है। संरक्षित वन क्षेत्र के नियमों के चलते सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में भी कठिनाइयां आती रही हैं।

ऐसे में इन गांवों के निवासियों ने अपनी इच्छा से वैकल्पिक स्थानों पर पुनर्वास का निर्णय लिया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षित जीवन मिल सके।

मेजबान गांवों के अधिकार भी सर्वोपरि- स्ज्ञक्र प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुनर्वासित परिवारों का स्वागत करने के साथ सीमावर्ती गांवों की भूमि, परंपरागत अधिकार, निस्तार, चराई, जलस्रोत और सामुदायिक संसाधनों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। इन विषयों का समाधान ग्रामसभा से परामर्श, पारदर्शी संवाद और कानून के अनुरूप किया जाना चाहिए। पुनर्वास और मेजबान गांवों के वैध अधिकारों की रक्षा साथ-साथ संभव है।

हाथी अलर्ट ऐप से सुरक्षा, पुनर्वास से दीर्घकालीन समाधान- मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा एलिफेंट अलर्ट ऐप, अवैध शिकार और अतिक्रमण विरोधी अभियान सहित कई पहल की गई हैं। हालांकि, ओडिशा से हाथियों की लगातार आवाजाही को देखते हुए दीर्घकालीन समाधान की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

स्वैच्छिक पुनर्वास से जंगलों में मानवीय दबाव कम होगा और वन्यजीवों को सुरक्षित आवास मिल सकेगा। वहीं, भविष्य में ईको-टूरिज्म, होम-स्टे, स्थानीय उत्पादों और पर्यटन सेवाओं के माध्यम से आसपास के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी विकसित हो सकते हैं।

स्वागत से बनेगा सामाजिक सद्भाव का नया उदाहरण- स्ज्ञक्र प्रशासन ने बिन्द्रानवागढ़ के ग्रामीणों से अपील की है कि वे इन परिवारों को केवल रहने की जगह ही नहीं, बल्कि अपने दिलों में भी स्थान दें। छत्तीसगढ़ की पहचान अतिथि-सत्कार, भाईचारे और आपसी सहयोग से है। अब समय है कि इसी परंपरा को व्यवहार में उतारा जाए।

संदेश साफ है–एक परिवार की नई शुरुआत पूरे क्षेत्र के विकास का अवसर बन सकती है। वन-आश्रित परिवारों का सम्मानजनक पुनर्वास, मेजबान गांवों के अधिकारों की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण, तीनों को साथ लेकर आगे बढ़ना ही बेहतर भविष्य का रास्ता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 13 नवम्बर 2026

बस्तर जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान, एकीकृत प्रारूप सूची का हुआ प्रकाशन

■ 11 दिसंबर तक लिए जाएंगे दावे-आपत्तियां



जगदलपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार बस्तर जिले में फेटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान की विधिवत शुरुआत हो गई है। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर संचालित किए जा रहे इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत आज गुरुवार 12 नवंबर को जिला निर्वाचन कार्यालय सहित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालयों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालयों और समस्त मतदान केंद्रों पर एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इससे पूर्व मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत आयोग से अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात जिले में एक भवन परिवर्तन, 4 स्थल परिवर्तन तथा 4 अनुभाग परिवर्तन के साथ संशोधित मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन 04 नवंबर 2026 को किया जा चुका है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के कुल 848 मतदान केंद्रों (जिसमें सुकमा जिले के 21 मतदान केंद्र भी शामिल हैं) में मतदाताओं की कुल संख्या 5,93,673 दर्ज की गई है। लोकतांत्रिक सहभागिता की दृष्टि से यह बेहद उत्साहजनक है कि जिले में महिला मतदाताओं की संख्या (3,08,274) पुरुष मतदाताओं (2,85,381) के मुकाबले अधिक है, जबकि सूची में 18 तृतीय लिंग चित्रकोट के 253 मतदान केंद्रों में 81,902 पुरुष, 90,881 महिला व 3 तृतीय लिंग सहित कुल 1,72,786 मतदाता शामिल हैं।

जारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, विलोपित करने अथवा संशोधन कराने हेतु नागरिक 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक अपने दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त सभी आवेदनों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा और इसके उपरांत 04 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आकाश छिकारा ने आम नागरिकों से अपील की है कि जिन पात्र व्यक्तियों का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर फॉर्म-6 के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफ्लाइन आवेदन कर अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। इसके साथ ही, 17 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी भविष्य में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए अग्रिम रूप से प्रपत्र-6 भरकर इस अभियान का लाभ उठा सकते हैं।

छठ पर्व को लेकर महापौर ने तैयारी तेज के दिये निर्देश

■ तालाबों-घाटों में युद्धस्तर पर प्रतिदिन सफाई अभियान करने की बात कही



दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम आज महापौर अलका बाघमार ने खुद वार्ड क्रमांक 29 सिविल लाइन शीतला तालाब,वार्ड क्रमांक 50 बोरसी तालाब सहित अन्य तालाबों का निरीक्षण कर सफाई की मॉनिटरिंग कर करते हुए आगामी छठ पर्व को देखते हुए अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान शहर के तालाबों एवं छठ घाटों की साफ-सफाई तेज करने के निर्देश दिए इस दौरान स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल,एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर,ज्ञानदास बंजारे,स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,जितेंद्र राजपूत,मनोहर शिंदे,दुर्गेश कुमार सहित टीम मौजूद रहें।

निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा तालाबों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नियमित सफाई कर्मचारियों के साथ मशीनों को भी लगाया गया है। तालाबों में फैली जलकुंभी, तैरता कचरा, प्लास्टिक और अपशिष्ट निकाला जा रहा है। घाटों की सीढ़ियों और किनारों की गंदगी भी साफकी जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

महापौर अलका बाघमार ने खुद विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर सफाई की मॉनिटरिंग कर रही हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि छठ से पहले सभी प्रमुख तालाब-घाटों की सफाई बेहतर तरीके से हो, लापरवाही न हो और जहां ज्यादा जलकुंभी-कचरा है वहां प्राथमिकता से सफाई कराई जाए।गौरतलब है कि छठ पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह-शाम तालाबों पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। महापौर अलका बाघमार ने नागरिकों से भी अपील की है कि तालाबों-घाटों में कचरा, प्लास्टिक व पूजन सामग्री इधर-उधर न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

भाजपा के वोट चोरी का एक और खेल उजागर, सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गई : सुरेंद्र वर्मा



रायपुर (विश्व परिवार)। द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस रिपोर्ट ने वर्तमान दौर के चुनावी प्रणाली और ईवीएम-मतदान आंकड़ों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वोट चोरी का यह खेल अब ढंकने वाला नहीं है। ताज़ा रिपोर्ट ने भाजपा के उस मुखौटे को उतार फेंका है, जिसके पीछे वे पारदर्शी चुनाव का दावा करते थे। शून्य मतदान वाले बूथों पर भाजपा की जीत होना महज संयोग नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सोची-समझी लूट है। आज देश में लोकतंत्र किस मोड़ पर आ गया है, इसका सबसे भयानक प्रमाण द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की हालिया पड़ताल ने दे दिया है। महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावी रिकॉर्ड्स में 51 सीटों पर ईवीएम के वोटों और मतदाताओं की संख्या में भारी अंतर पाया गया है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि 19 सीटों पर बूथ पर वोटर्स की संख्या 'शून्य' दर्ज थी, और उनमें से अधिकांश पर भाजपा-ह्ष्ट के उम्मीदवार विजयी घोषित हुए। यह तकनीकी चूक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सरेआम हत्या है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है और मांग करती है कि चुनाव आयोग इस पर देश को जवाब दे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपाई हमेशा डिजिटल इंडिया, पारदर्शिता और ईमानदारी का फर्जी ढिंढोरा पीटते हैं, लेकिन जब स्वतंत्र मीडिया और संस्थाएं चुनावी रिकॉर्ड्स की जांच करती हैं, तो आंकड़ों की ऐसी भयंकर गड़बड़ी सामने आती है जो लोकतंत्र को कठघरे में खड़ा करती है। जिन सीटों पर पोलिंग बूथ पर वोटर्स की संख्या 'शून्य' दिखाई गई और वहां भाजपा-ह्ष्ट की जीत हुई, वह सिर्फ तकनीकी गलती नहीं, बल्कि गहरी सुनियोजित साजिश की बू कराती है। जब आम नागरिक का अपने मताधिकार और गिनती की पारदर्शिता से भरोसा उठ जाता है, तो प्रजातंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है। छत्तीसगढ़ का मतदाता भी आज सहमा हुआ है कि क्या उसके वोट की कीमत वाकई सुरक्षित है या पर्दाफ़ाश हो रहे ये आंकड़े छत्तीसगढ़ के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगाते हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मतदान करने वाले मतदाताओं और ईवीएम में गिने गए वोटों का मेल न खाना और 19 सीटों पर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या शून्य दर्ज होना सीधे तौर पर लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है। जिस तरह से देश में चुनावी रिकॉर्ड्स से खिलवाड़ हो रहा है, छत्तीसगढ़ के लोगों को भी अब अपनी लोकतांत्रिक सुरक्षा को लेकर सतर्क होना होगा। भाजपा सरकार जनता के हक और अधिकारों को रौंदने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। यह चुनाव आयोग या विपक्ष का मामला नहीं, सीधे तौर पर भारत के संविधान और आम आदमी के एक वोट, एक मूल्य के अधिकार का है। अगर आंकड़े पारदर्शी हैं, तो भाजपा और आयोग मिलकर इन 51 सीटों के सीसीटीवी फुटेज और फॉर्म-17C को सार्वजनिक करने से क्यों डर रहे हैं? जब चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में वोटर ही जीरो हैं, तो भाजपा की झोली वोटों से कैसे भर गई? यह वोटों की गिनती नहीं, सीधे लोकतंत्र की लूट है। देश की जनता पूछ रही है, जब ईवीएम और मतदाता सूची के आंकड़े आपस में मेल नहीं खा रहे, तो क्या चुनाव आयोग भाजपा का निर्वाचन कार्यालय बनकर रह गया है?

आंगनबाड़ी सहायिका के पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जगदलपुर (ग्रामीण) द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत इच्छुक और पात्र महिला उम्मीदवार 13 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र के दो अलग-अलग केंद्रों पर आंगनबाड़ी सहायिका के एक-एक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत घाटपदमुर के आंगनबाड़ी केंद्र भतरापारा (भाटागुड़ा) तथा नगरीय क्षेत्र में नगर पालिक निगम जगदलपुर के अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड क्रमांक-38 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र धरमपुरा (केंद्र क्रमांक 01) में नियुक्ति की जानी है। उम्मीदवारों को अपना आवेदन विभागीय ई-भर्ती ऑनलाइन पोर्टल https://www.aww.e-bharti.in पर जाकर अनिवार्य दस्तावेजों की फाइल अपलोड करते हुए जमा करना होगा। आवेदन 27 नवंबर तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीधे अथवा पंजीकृत डाक से भेजे गए या निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका का उक्त पद पूर्णत: मानसेवी तथा अशासकीय है, जिसके लिए केवल महिलाएं ही आवेदन करने की पात्र हैं। आवेदिका को संबंधित ग्राम (ग्रामीण क्षेत्र हेतु) अथवा संबंधित वार्ड (नगरीय क्षेत्र हेतु) की स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। विज्ञापन जारी होने की तिथि 11 नवंबर 2026 को आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के बीच होनी चाहिए, हालांकि एक वर्ष या उससे अधिक का सेवा अनुभव रखने वाली कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के रूप में न्यूनतम 8वीं बोर्ड उत्तीर्ण होना आवश्यक है, लेकिन योग्य उम्मीदवार न मिलने की स्थिति में नियमों के तहत 5वीं उत्तीर्ण अथवा साक्षर महिलाओं पर भी विचार किया जा सकेगा।

चयन मूल्यांकन के दौरान गरीबी रेखा (बीपीएल) परिवार, अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग की महिला, अनुभवी कार्यकर्ता या सहायिका तथा विधवा, परित्यक्ता या तलाकशुदा महिलाओं को नियमानुसार अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे।

आयुक्त संबित मिश्रा ने छठ महापर्व के पूर्व महादेवघाट की व्यवस्था का किया निरीक्षण

■ सफाई, घाट में पेंटिंग, रंगरौगन कार्य, पेयजल, स्ट्रीट लाईट कका शीघ्र समुचित प्रबंधन करने के सम्बन्ध में दिए आवश्यक निर्देश



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने राजधानी रायपुर में महादेवघाट खारून नदी के तट पर छठ महापर्व के पूर्व सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का वहाँ पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

आयुक्त ने छठ महापर्व के पूर्व महादेवघाट की सुव्यवस्थित सफाई करवाने सहित आवश्यकता के अनुसार पेयजल, स्ट्रीट लाईट का समुचित प्रबंधन करवाने और पेंटिंग, रंग रौगन के कार्य शीघ्र करवाने के सम्बन्ध में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए. इस दौरान सम्बंधित महादेवघाट छठ महापर्व आयोजन समिति के पदाधिकारीगणों, नगर निगम रायपुर के अपर आयुक्त रवि राही, नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल और सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा की उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज ने छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन के अनिश्चितकालीन हड़ताल का किया समर्थन



रायपुर। राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज ने ऑल इंडिया ड्राइवर ज्वाइंट कमेटी के संबद्ध छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंगठन द्वारा दिनांक 12 नवंबर 2026 से प्रारंभ किए जा रहे अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोड़ अभियान का पूर्ण समर्थन किया है। महासमाज ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले लाखों ड्राइवरों की सुरक्षा, सम्मान, सामाजिक न्याय एवं आर्थिक अधिकारों की मांगों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। राष्ट्रीय गांड़ा महासमाज के संस्थापक अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा कि देश के ड्राइवर दिन-रात मेहनत कर माल एवं यात्रियों का परिवहन करते हैं।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पर 1 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पर एक दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कल 13 नवंबर 2026 को किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पहल के उद्देश्यों, प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धता तथा इसके प्रभावी उपयोग के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना है। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पहल का उद्देश्य केंद्रीकृत सदस्यता व्यवस्था के माध्यम से देशभर में शोध प्रकाशनों एवं अकादमिक पत्रिकाओं तक पहुंच उपलब्ध कराना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को ONOS की कार्यप्रणाली को समझने, इसकी पहुंच एवं उपयोग की सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने, इसकी विभिन्न विशेषताओं के व्यावहारिक उपयोग का ज्ञान हासिल करने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित समस्याओं एवं चुनौतियों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम शोध एवं शैक्षणिक सूचना संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उनकी उपलब्धता एवं पहुंच में सुधार करने तथा शिक्षण, अध्ययन एवं अनुसंधान गतिविधियों के लिए ONOS के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

निर्माण कार्य के दौरान नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिये सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करे : मधुसूदन यादव



■ अंडरब्रिज निर्माण से बाधित यातायात को व्यवस्थित करने महापौर मधुसूदन यादव ने अधिकारियों के साथ डायवर्सन पाईट का किया स्थल निरीक्षण

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। ममतानगर मोतीपुर रेल्व अंडरब्रिज पर बारबार यातायात बाधित होने की जानकारी मिलने पर राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव आज सुबह से ही एक्शनमोड में नजर आये। लगातार यातायात बाधित होने की सूचना मिलते ही आज प्रात: महापौर मधुसूदन यादव ने पुलिसध्यातायात विभाग, नगर निगम के अधिकारियों एवं पार्षदों के साथ अपने मोतीपुर स्थित निज निवास पर बैठक आयोजित कर स्थल निरीक्षण एवं स्थानीय जनता एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद के लिये समय एवं पाईंट निर्धारित किया। पश्चात् अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर पांच विभिन्न डायवर्सन पाईटो का स्थल निरीक्षण किया, और शासन प्रशासन को यातायात व्यवस्था सुधारने हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिये। इस दौरान महापौर ने यातायात प्रवाह, सड़क की स्थिति, वाहनों की भीड़ तथा डायवर्सन पाईटो पर हो रही असुविधा का जायजा लिया।

स्थल निरीक्षण के समय महापौर के साथ निगम अध्यक्ष पारस वर्मा,महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री सुनील साहू व श्री सावन वर्मा,कनिष्ठ सभापति श्री संदीप बघेल, पार्षदगण सर्वश्री शिव वर्मा, कमलेश बंधे,मनोहर यादव, एल्डरमेन नागेश यदु व भीषम देवांगन, पूर्व नेताप प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु, सहित श्री मदन यादव, श्री लोकेश जैन, श्री नरेन्द्र हंसा, श्री विनोद भारती एवं अन्य उपस्थित रहे। साथ ही राजनांदगॉव नगर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, पुलिस विभाग के डी.एस.पी. सत्यप्रकाश तिवारी, यातायात टी.आई. शंकर गोस्वामी सहित निगम के कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खाण्डे व श्री यू.के. रामटेके, श्री प्रणय मेश्राम,प्र.सहायक अभियंता सुश्री सुषमा साहू,प्र.उप अभियंता श्री चिराग मेश्राम एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी महापौर के साथ उपस्थित रहे।

महापौर श्री यादव अपनी टीम के साथ सर्वप्रथम मोतीपुर ममतानगर अंडरब्रिज का निरीक्षण किया एवं मोतीपुर से रेल्वे फाटक जाने वाले मार्ग पर चार चक्का वाहनों के संचालन को प्रतिबंधित कर उन्हें आजादचैक मोतीपुर से रेल्वे फाटक की दिशा में जाने की लिये रूट डाईवर्ट करने के निर्देश दिये।

ट्रेनों के कोचों में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक बंद रहेंगे मोबाइल चार्जिंग पॉइंट



रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा एवं विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों के कोचों में उपलब्ध मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के चार्जिंग पॉइंट की विद्युत आपूर्ति रात 11:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक बंद रखी जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे इस निर्धारित समय का ध्यान रखें तथा रात 11:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक अपने मोबाइल फोन आदि को चार्जिंग पर न लगाएं। यात्रियों से यह भी अपील है कि वे अपनी यात्रा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते समय रेलवे द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें और इस व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें।

यात्रियों का सहयोग एवं जागरूकता ही सुगम, सुविधाजनक और संरक्षित रेल यात्रा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पटवारियों की हड़ताल सरकार की विफलता : कांग्रेस

■ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तीन दिन बाद धान की खरीदी शुरू होगी ऐसे में किसान अपना धान कैसे बेच पायेंगे।

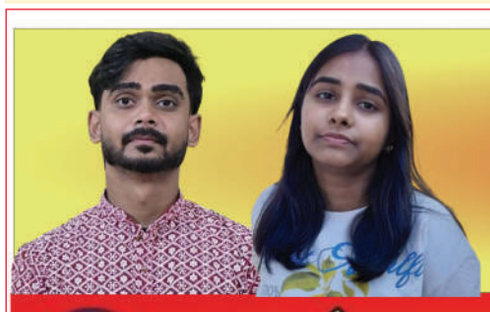


रायपुर (विश्व परिवार)। पटवारी लगातार एक पखवाड़े से हड़ताल पर है जिसके कारण धान खरीदी की तैयारी नही हो पाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि तीन दिन बाद धान की खरीदी शुरू होगी ऐसे में किसान अपना धान कैसे बेच पायेंगे सरकार पटवारियों से बात कर हड़ताल खत्म करने के बजाय दमन की कार्यवाही पर उतर आई है इसमें हड़ताल खत्म होने के बजाय और आगे बढ़ती जा रही। सरकार जानबूझ कर हड़ताल खत्म नही होने देना चाहती ताकि धान खरीदी कम करनी पडे।

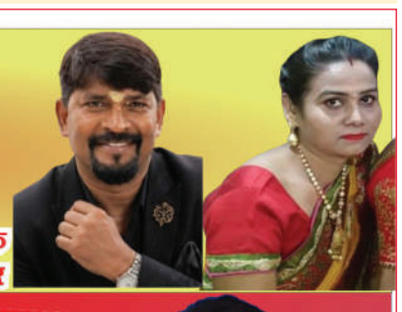
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी के पहले किसानों का पंजीयन, फौती, नामांतरण, बंटवारा और राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि सुधार बेहद जरूरी है। पटवारियों की हड़ताल के कारण ये सभी काम प्रभावित हो रहे हैं। जिन किसानों के परिवार में मुखिया का निधन हुआ है, उनके नाम पर फौती दर्ज नहीं हो पा रही है। जमीन के रिकॉर्ड में त्रुटियां दूर नहीं हो रही हैं। नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण लंबित पड़े हैं। ऐसे में किसान अपनी ही जमीन का धान बेचने के लिए पात्रता और दस्तावेजों की समस्या से जूझ रहे हैं। सरकार बताए कि यदि किसान का रिकॉर्ड ही दुरुस्त नहीं होगा तो वह धान का पंजीयन और बिक्री कैसे करेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पटवारियों की हड़ताल से व्यवस्थायें बिगड़ रही है। भाजपा सरकार आंदोलनरत पटवारियों की जायज मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने के बजाय उन्हें सस्पेंड कर रही। सैकड़ो पटवारियों को सस्पेंड कर दिया गया, नौकरी में ज्वाइन नहीं करने पर सर्विस इन ब्रेक की धमकी दी जा रही है। सरकार का यह रवैया बेहद अलोकतांत्रिक, तानाशाहीपूर्ण और निंदनीय है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें सस्पेंड करना भाजपा सरकार की दमनकारी कार्यशैली को उजागर करता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पटवारी राजस्व विभाग द्वारा थोपे गए नए पीवी ऐप यानी फिजिकल वेरिफिकेशन ऐप का विरोध कर रहे हैं। इस ऐप के जरिए डिजिटल सर्वे और जीपीएस फोटो अपलोड करना अनिवार्य किया गया है, लेकिन ऐप में लगातार तकनीकी खामियां आ रही हैं। सर्वर डाउन रहना, लोकेशन मैच न होना, और खेत में खड़ी फसल के भौतिक सत्यापन में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों से पटवारी परेशान हैं।



छठ पर्व, एकादशी, एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं



गोपाल सिंह विद्रोही
वरिष्ठ पत्रकार एवं ब्यूरो चिफ
विश्व परिवार - जिला सूरजपुर

गोयल एजेन्सी

ROYAL PUMP
EURECON
Kirloskar
TEXMO PUMP

GST No. 22AEWPG9084Q1ZI

हमारे यहां किर्लोस्कर, टेक्समो, युरेकांन, रॉयल, कलाम ब्रान्ड के सबमर्सिबल, मोनोब्लॉक व ओपनवेल सबमर्सिबल पम्प उपलब्ध

12", 10", 8", 6.5", 5" बोर की सुविधा उपलब्ध

शिवनंदनपुर, पो. बिश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)









दिनेश गोयल
संचालक



गौरव मित्तल | पूज्य पिता श्री स्व प्रकाश मित्तल | अरविंद मित्तल

आप सभी को छठ पर्व, एकादशी, एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

JAI BALAJI MOTORS AND LUBRICANTS

All Company Genuine Spear Partes Available

ARVIND MITTAL
MOB : 9826025476
EMAIL ID . -
jaibalajimotorsbspr@gmail.com

TATA Genuine Parts | Mahindra | Ashok Leyland | BHARATBENZ

JAI BALAJI TYRES AND BATTERY
JAI BABAJI PUC CENTER

JK TYRE | apollo TYRES | MRF

GOURAV KUMAR MITAL
MOB : 9826125476
EMAIL ID . -
jaibalajityrebspr@gmail.com



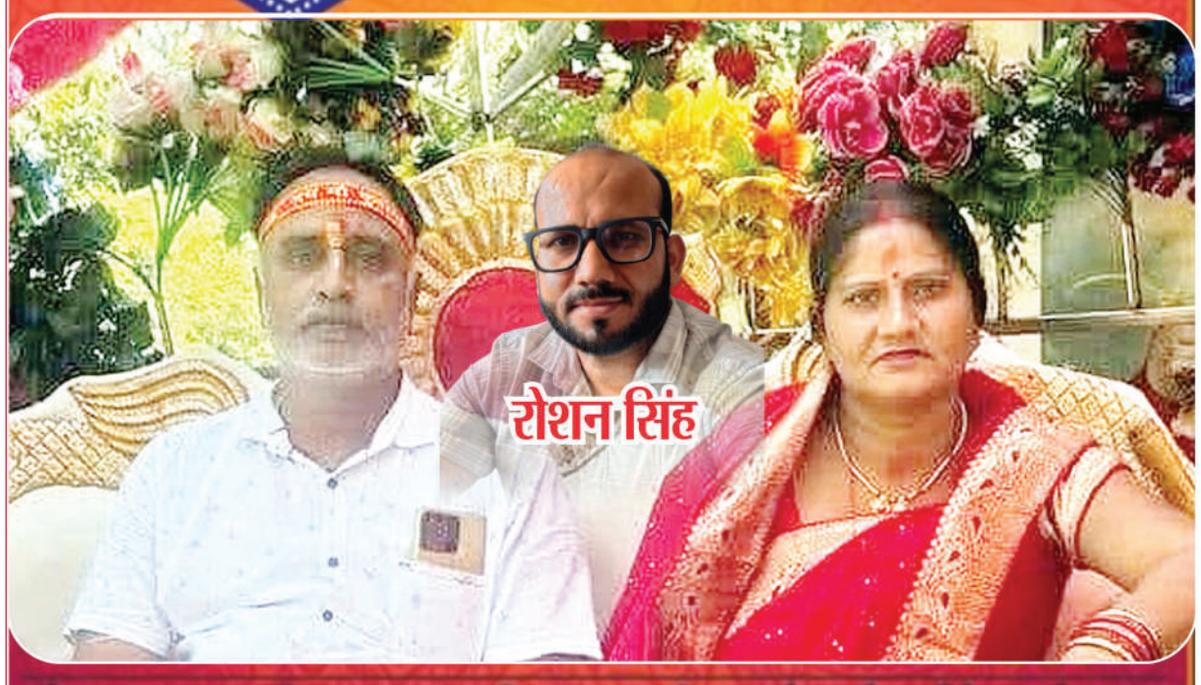
ALL COMPANY TYRE AND BATTERY @ AVAIABLE

ADD. NEAR AMBEDKAR CHOWK MAIN ROAD
BISRAMPUR, DIST SARGUJA (C.G.) 497226

दीपावली, छठ, एकादशी महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

निधि श्री
पुस्तक भण्डार एण्ड फोटो कॉपीयर





रोशन सिंह

नोट :- समस्त विद्यालय महाविद्यालय की पुस्तके नये वर्ष के कलेण्डर, पठन पाठन सामग्रीयों का एक मात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान

मेन रोड बिश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

छठ पर्व, एकादशी, एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

आशा ज्वेलर्स



चंदेश्वर शाह (संचालक)



मुकेश सोनी

हीरा, सोना, चांदी, आभूषणों, रूद्राक्ष एवं सभी रत्नों का एक मात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान







मेन रोड विश्रामपुर, जिला सूरजपुर, छ.ग.